● वर्ष : 17 ● अंक : 114 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दिल्ली से प्रकाशित

बुधवार 11 फरवरी 2026

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की औपचारिक पहल कर दी है। पार्टी ने इस संबंध में लोकसभा महासचिव को नोटिस सौंपा है, जिस पर कुल 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। यह प्रस्ताव लोकसभा के नियम 94(सी) के तहत दाखिल किया गया है। लोकसभा सचिवालय ने नोटिस मिलने की पुष्टि करते हुए कहा है कि नियमों के अनुरूप इसकी जांच के बाद आगे की प्रक्रिया तय की जाएगी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब संसद के मौजूदा सत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव चरम पर है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया गया। इसके अलावा, कांग्रेस की महिला सांसदों के साथ कथित रूप से अनुचित व्यवहार का मुद्दा भी विपक्ष द्वारा उठाया गया है। विपक्ष का कहना है कि लोकसभा में विपक्षी नेताओं को

118 सांसदों के हस्ताक्षर, सचिवालय करेगा नियमों के तहत जांच

अपनी बात रखने से रोका जा रहा है, जबकि सत्तापक्ष के सदस्यों को खुलकर बोलने की छूट दी जा रही है।

रिजिजू बोले- कोई प्रभाव नहीं पड़ता ऐसे अविश्वास से : इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ऐसे अविश्वास प्रस्ताव से कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है, क्योंकि विपक्ष के पास आवश्यक संख्या बल नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने सदन में अनुशासनहीनता दिखाई और स्पीकर के पद की मर्यादा का उल्लंघन किया। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे स्पीकर से किसी विशेष कार्रवाई की मांग नहीं कर रहे हैं।

विपक्षी दलों की हुई अहम बैठक : इससे पहले मंगलवार सुबह संसद परिसर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कक्ष में विपक्षी दलों की अहम बैठक हुई थी। बैठक में तृणमूल कांग्रेस, वाम दल, डीएमके, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद पवार गुट) सहित कई दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। भारतीय संसदीय इतिहास में यह चौथा अवसर है, जब लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। इससे पहले 1954, 1966 और 1987 में भी ऐसे प्रस्ताव पेश किए जा चुके हैं, लेकिन किसी को भी सदन का समर्थन नहीं मिल पाया था। संविधान के अनुच्छेद 94 के तहत लोकसभा स्पीकर को हटाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस और सदन में बहुमत का समर्थन अनिवार्य होता है।

कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित

नई दिल्ली। लोकसभा में बजट सत्र के दसवें दिन मंगलवार को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्यों के हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने देने की मांग और आठ सदस्यों के निलंबन के विरोध में कांग्रेस सदस्य लगातार नारेबाजी करते रहे। लोकसभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने पर कांग्रेस के सदस्यों ने नारेबाजी और हंगामा करना शुरू कर दिया। इसके चलते कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। कार्यवाही जब फिर शुरू हुई तो पीठासीन अधिकारी पीसी मोहन ने सदन को बताया कि उन्हें स्थगन प्रस्तावों के कई नोटिस मिले हैं, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ने सभी को नामंजूर कर दिया है। इसके बाद विभिन्न मंत्रालयों के मंत्रियों ने प्रश्नकाल के दौरान पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सदन के पटल पर रखे। इनमें वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार, केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल, कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री रामनाथ ठाकुर, गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, जलशक्ति राज्यमंत्री वी. सोमन्ना और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी समेत कई मंत्री शामिल रहे। इस दौरान कांग्रेस सदस्यों का हंगामा लगातार जारी रहा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से अपील करते हुए कहा कि बजट सत्र में बजट पर चर्चा होनी चाहिए।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

अमेरिका की 74 फ़ीसद आबादी पर रोज़ी-रोटी का संकट

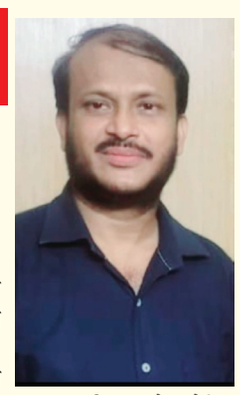

पूंजीवादी देश अमेरिका जो दुनिया के देशों को समृद्धि और लोकतंत्र का पाठ पढ़ाता है वह अपने ही नागरिकों को दो टाइम का भोजन नहीं दे पा रहा है। अमेरिका का मध्यम वर्ग गरीब हो रहा है। सारी दुनिया में अमेरिका की जो तस्वीर दिखाई जाती है, ठीक उसके विपरीत हालिया सर्वे मे एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने अमेरिका की कलई खोल कर रख दी है। आमतौर पर चमकदार इमारतों, शेयर बाज़ार और वैश्विक ताक़त की आड़ में अमेरिका अपनी वास्तविकता को छिपा देता है। सर्वे के अनुसार अमेरिका की करीब 74 प्रतिशत आबादी रोज़ी-रोटी के गंभीर संकट से जूझ रही है। यह संकट केवल गरीबों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मिडिल क्लास और युवा वर्ग पर इसकी सबसे बड़ी मार पड़ी है। अमेरिका में हालात ये हैं, लोग बिजली, गैस, पानी जैसी बुनियादी जरूरत के मासिक बिल तक अदा नहीं कर पा रहे हैं।

किराना, किराया और स्वास्थ्य खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सर्वे के अनुसार 10 में से 9 अमेरिकी मानते हैं, पूरा अमेरिका "कॉस्ट ऑफ लिविंग क्राइसिस" में फंस गया है। सर्वे में 10 में से 8 लोगों ने माना है, पिछले एक साल में महंगाई तेजी के साथ बढ़ी है। जिसके कारण उनका नियमित जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। पिछले 1 साल में जिस तरह से सरकार की नीतियां हैं, उसने आम आदमी का जीवन दूभर कर दिया है। सबसे चिंताजनक स्थिति अमेरिका मे युवाओं की है। महंगाई और बेरोजगारी के चलते युवा वर्ग में गुस्सा, असंतोष और निराशा तेज़ी से बढ़ती जा रही है। अमेरिका का मध्यम वर्ग टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती थी उसका उपयोग छुट्टियों, मनोरंजन या ख़रीदारी के लिए करता था। अब टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती है, उसका उपयोग पेट भरने और कर्ज़ चुकाने के लिए करना पड़ रहा है। सर्वे के अनुसार 73 प्रतिशत लोगों ने माना है, टैक्स रिफंड अब जीवन यापन के लिए ज़्यादा ज़रूरी हो गया है। 60 प्रतिशत लोगों ने रिफंड जल्दी देने की बात कही है। टैक्स रिफंड में देरी होने से खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है। जेन-जी के लिए यह संकट और भी गहरा है। करीब 74 प्रतिशत युवा रिफंड नहीं मिलने पर आपात ज़रूरतें भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। अमेरिका के इस आर्थिक दबाव का सीधा असर सभी वर्गों पर देखने को मिल रहा है। अमेरिका से आंतरिक पलायन शुरू हो गया है। लोग एक शहर से दूसरे शहर, एक राज्य से दूसरे राज्य यहां तक कि यूरोपीय देशों में भाग रहे हैं। जहां वह वर्षों से रह रहे थे, वहां अब उनका गुज़ारा संभव नहीं हो पा रहा। सर्वे बताता है कि जेन-जी के लगभग 50 प्रतिशत युवा तथा कुल आबादी के 38 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक आर्थिक कारणों से ठिकाना बदल चुके हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे झूठ नहीं बोलेंगे, मुझे उन पर भरोसाः राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में जारी गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की कथित किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के प्रकाशक पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को दावा किया कि किताब बिक्री के लिए उपलब्ध है। राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपने मोबाइल में जनरल नरवणे का 15 दिसंबर 2023 का पोस्ट दिखाया। उन्होंने कहा कि यह जनरल नरवणे का एक्स पोस्ट है जिसमें उन्होंने लिखा था, ''नमस्ते दोस्तों। मेरी किताब अब उपलब्ध है। बस इस लिंक का अनुसरण करें। आनंदपूर्वक पढ़ें। जय हिंद। राहुल ने कहा, ''सवाल यह है कि या तो जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं या फिर पेंग्विन प्रकाशन, लेकिन मुझे पूर्व सेनाध्यक्ष पर भरोसा है, वह झूठ नहीं बोलेंगे। उन्होंने कहा कि किताब में किए गए कुछ उल्लेख सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असुविधाजनक हैं, इसलिए विवाद खड़ा किया जा रहा है। अब यह तय करना होगा कि सच्चाई कौन बता रहा है। प्रकाशक या पूर्व सेनाध्यक्ष। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जनरल नरवणे ने किताब में जो बातें लिखी हैं, वे सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असहज हैं और इसी वजह से इस पर रोक लगाने की कोशिश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि किताब के प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने सोमवार को कहा था कि जनरल नरवणे की किताब अभी तक पब्लिश नहीं हुई है और इसकी कोई भी कॉपी, प्रिंट या डिजिटल, पब्लिश, बांटी, बेची या पब्लिक के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है।

कई बार राजनीतिक जंग सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाती है इस पर विचार करना चाहिएः सीजेआई

नई दिल्ली। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। इसपर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कई बार राजनीतिक जंग सुप्रीम कोर्ट में लड़ी जाती है। उन्होंने इस याचिका पर विचार करने की बात कही। विपक्ष ने सीएम सरमा के मुस्लिमों पर निशाना लगाते वीडियो और भाषण पर आपत्ति जताई थी। शीर्ष न्यायालय में सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाला बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने कहा कि परेशानी यह है कि जब चुनाव आते हैं, जो कई बार उन्हें यहां सुप्रीम कोर्ट में लड़ा जाता है। हम इसे देखेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया नेता एनी राजा की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। उन्होंने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा के 27 जनवरी को दिए भाषण पर आपत्ति जताई थी। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट पहुंचे एडवोकेट ने कहा कि मीलॉर्ड राजनीतिक दल के सदस्य की तरफ से हेट स्पीच के खिलाफ एक याचिका दाखिल हुई है। एक वीडियो भी है, जिसमें हिमंत सरमा मुस्लिमों पर निशाना लगाते नजर आ रहे हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने सीएम हिमंत सरमा के भाषण के खिलाफ 2 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने कहा कि विशेष रूप से उच्च संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति की तरफ से दिए गए इस तरह के बयानों को राजनीतिक बयानबाजी या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया

एजेंसी। इंफाल

मणिपुर में नई सरकार के गठन के महज एक सप्ताह बाद ही हालात फिर बिगड़ते दिख रहे हैं। उखरुल जिले के लिटन सरेइखोंग गांव में हिंसा भड़क उठी, जहां उपद्रवियों ने कई घरों को आग के हवाले किया। घटना के बाद प्रशासन ने एहतियातन पूरे क्षेत्र में पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित की हैं। जानकारी के अनुसार, लिटन सरेइखोंग गांव में यह हिंसा तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हाल ही में हुई झड़प के बाद सामने आई है। आगजनी की घटना के बाद गांव और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। स्थिति को काबू में रखने के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। मणिपुर सरकार में मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने बताया कि हिंसा के दौरान करीब 21 घरों को जलाया गया है। उन्होंने कहा कि हालात फिलहाल

तनावपूर्ण बने हुए हैं, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। मंत्री के अनुसार, किसी भी नई घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजा हैं और शांति बहाली के प्रयास हो रहे हैं। इस बीच, तांगखुल नागा समुदाय से जुड़े दो संगठनों—काथो लॉन्ग और काथो कटमनाओ लॉन्ग—ने उखरुल और उससे सटे कामजोंग जिले में कुकी समुदाय के लोगों के आने-जाने पर रोक लगाने का ऐलान किया है। इस फैसले के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है, क्योंकि इससे सामाजिक और प्रशासनिक चुनौतियां खड़ी हो गई हैं।

भारतीय सरकारी कंपनियों ने किया वेनेजुएला से 20 लाख बैरल क्रूड ऑयल का सौदा

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई वैश्विक तेल रणनीति का असर अब धरातल पर दिखने लगा है। वेनेजुएला में हालिया अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप और वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण के दावों के बीच, भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने वेनेजुएला के साथ एक बड़ी ऑयल डील को अंजाम दिया है। भारतीय रिफाइनरियों ने अप्रैल तक आपूर्ति के लिए 20 लाख बैरल कच्चे तेल का सौदा किया है, जिसे वैश्विक बाजार में ट्रंप प्रशासन के बढ़ते प्रभाव के रूप में देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, भारत की दो

प्रमुख सरकारी रिफाइनरियों—इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने अपनी आपूर्ति रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए वेनेजुएला की ओर रुख किया है। इस संयुक्त सौदे के तहत कुल 20 लाख बैरल क्रूड खरीदा गया है। इसमें इंडियन ऑयल का हिस्सा करीब 15 लाख बैरल है, जबकि शेष 5 लाख बैरल तेल हिंदुस्तान पेट्रोलियम को मिलेगा। तेल की यह पूरी खेप एक विशाल कच्चे तेल वाहक पोत के जरिए अप्रैल महीने तक भारत के पूर्वी तट पर पहुंचने की संभावना है। यह सौदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हिंदुस्तान पेट्रोलियम के लिए यह वेनेजुएला से कच्चे तेल की पहली खरीद है। हालांकि, इंडियन ऑयल इससे पहले 2024 में भी वहां के तेल का प्रसंस्करण कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय रिफाइनरियों का यह कदम कच्चे तेल के आयात में विविधता लाने के प्रयासों का हिस्सा है। भारत अब अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूसी तेल पर निर्भरता को कम करने की कोशिश कर रहा है, जो पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और व्यापारिक जटिलताओं के कारण चर्चा में रहा है। इस तेल समझौते को भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए व्यापक व्यापार समझौते के समर्थन के रूप में भी देखा जा रहा है।

अरुणाचल और सिक्किम में लगे भूकंप के झटके, सो रहे लोगों में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर भारत के दो राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। जब लोग रात की गहरी नींद में थे तब जमीन हिलने से हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक जान-माल के किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले में देर रात करीब 1 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे दर्ज किया गया। अरुणाचल के कुछ घंटों बाद ही सिक्किम के नामची में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 5 बजकर 38 मिनट पर लोग धरती हिलने से जाग गए। यहां भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर केवल 5 किमी की गहराई पर था। बता दें धरती के नीचे होने वाली हलचल ही भूकंप का मुख्य कारण है। हमारी धरती चार परतों से बनी है, जिनके ऊपर टैक्टोनिक प्लेट्स होती हैं। ये प्लेट्स हर साल अपनी जगह से 4-5 मिमी खिसकती हैं।

महाराष्ट्र ब्यूरो प्रमुख द्वारा अखिलेश्वर पांडेय की संवाददाता पद पर नियुक्ति

लोकतंत्र की शान

महाराष्ट्र ब्यूरो प्रमुख श्री अमित रमेश काले जी ने कार्यालय के आदेशानुसार पालघर जिले के विरार क्षेत्र में श्री अखिलेश्वर पांडेय को संवाददाता के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति संगठनात्मक कार्यों को सुदृढ़ करने एवं क्षेत्रीय समाचारों के प्रभावी संप्रेषण को ध्यान में रखते हुए की गई है। श्री पांडेय से अपेक्षा की गई है कि वे विरार क्षेत्र की सामाजिक, प्रशासनिक एवं जनहित से जुड़ी गतिविधियों की निष्पक्ष, सटीक एवं समयबद्ध रिपोर्टिंग करेंगे। कार्यालय द्वारा विश्वास व्यक्त किया गया है कि श्री अखिलेश्वर पांडेय अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और पत्रकारिता के मूल्यों के अनुरूप करेंगे।

महाराष्ट्र राज्य के ब्यूरो प्रमुख अमित रमेश काले जी ने राज्य कार्यालय में अखिलेश्वर पांडे जी को प्रेस कार्ड देते हुए

पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब पर घमासान प्रकाशक ने कहा- बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की बहुचर्चित आत्मकथा 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' एक बार फिर विवादों और चर्चाओं के केंद्र में आ गई है। पुस्तक के आधिकारिक प्रकाशक संस्थान 'पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया' (पीआरएचआई) ने एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि इस पुस्तक के प्रकाशन और वितरण के विशेष अधिकार केवल उनके पास सुरक्षित हैं और यह पुस्तक अभी तक आधिकारिक तौर पर बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है। यह विवाद तब और गहरा गया जब पिछले सप्ताह संसद परिसर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर इस

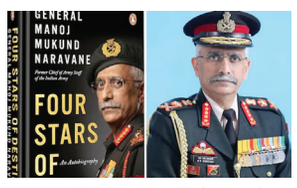

पुस्तक की एक प्रति हाथ में लिए देखा गया। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर पुस्तक की उपलब्धता और इसके लीक होने को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि, प्रकाशक ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति मुद्रित या डिजिटल रूप में प्रकाशित, वितरित या बेची नहीं गई है। प्रकाशक ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वर्तमान में सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर प्रसारित हो रहे पुस्तक के किसी भी संस्करण को कॉपीराइट का गंभीर उल्लंघन माना जाएगा। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने पूर्व सैन्य प्रमुख की इस अप्रकाशित पुस्तक के अंशों के सोशल मीडिया पर अवैध रूप से प्रसारित होने के मामले में एक प्राथमिकी भी दर्ज की थी। सैन्य और राजनीतिक गलियारों में इस आत्मकथा का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है, क्योंकि इसमें जनरल नरवणे ने अपने लंबे और गौरवशाली सैन्य करियर के कई अनछुए पहलुओं को साझा किया है। विशेष रूप से पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ हुए हिंसक गतिरोध और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी अग्निपथ योजना जैसे संवेदनशील विषयों पर उनके अनुभवों और विचारों को लेकर काफी उत्सुकता बनी हुई है।

भारत ने सऊदी अरब के 'वर्ल्ड डिफेंस शो' में दिखाई स्वदेशी हथियारों की ताकत

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने सऊदी अरब के रियाद में हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में स्वदेशी हथियारों के जरिए अपनी ताकत दिखाई है। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने इंडिया पवेलियन का उद्घाटन किया, जिसमें भारत में बने हथियारों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने सऊदी अरब के रक्षा उद्योगों और रक्षा मंत्रालय की प्रदर्शनी का भी दौरा किया, ताकि उनकी स्वदेशी तकनीक की समीक्षा की जा सके। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ रियाद में 8-9 फरवरी को हुए वर्ल्ड डिफेंस शो में हिस्सा लेने गए थे। उन्होंने सऊदी अरब के सहायक रक्षा मंत्री डॉ. खालिद बिन हुसैन अल-बियारी के साथ दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने सऊदी अरब जनरल

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने 'इंडिया पवेलियन' का उद्घाटन किया

अथॉरिटी फॉर डिफेंस डेवलपमेंट के गवर्नर डॉ. फलेह बिन अब्दुल्ला अल-सुलेमान से भी मुलाकात की और भारत के वैश्विक निर्यात केंद्र के तौर पर उभरने पर जोर दिया। मंत्री संजय सेठ ने सऊदी अरब के अधिकारियों को भारत का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया, ताकि रक्षा प्रौद्योगिकी के विकास पर चर्चा की जा सके। रक्षा राज्यमंत्री ने सऊदी अरब के जनरल अथॉरिटी ऑफ़ मिलिट्री इंडस्ट्रीज के गवर्नर अहमद बिन अब्दुल अजीज अल ओहाली से मुलाकात की और सामरिक सहयोग तथा दोनों देशों के सप्लाई चेन इकोसिस्टम को मजबूत करने के बारे में चर्चा की। उन्होंने भारत की रक्षा क्षमताओं का सीधा अनुभव लेने के लिए एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल के भारत दौरे का भी प्रस्ताव रखा। भारतीय दूतावास में भारतीय और सऊदी डिफेंस कंपनियों के प्रमुखों को दिए अपने भाषण में रक्षा राज्यमंत्री ने डिफेंस जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए भारत और सऊदी अरब के बीच संयुक्त सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' विजन के तहत भारत की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट और सऊदी राज्य की जन्मभूमि 'दिरिया' का भी दौरा किया।

देश में जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा विपक्षः भाजपा

नई दिल्ली। संसद में हंगामे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर देश में जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने के प्रयास का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि सभी देख रहे हैं कि मीडिया में किस प्रकार सदन में हो रही गतिविधियों को लेकर घमासान मचा हुआ है। पूरे देश में विपक्ष जानबूझकर अस्थिरता का माहौल बनाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह सब आज से नहीं हो रहा, बल्कि जब से भाजपा–नीत राजग की सरकार बनी है, तब से राहुल गांधी, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जॉर्ज सोरोस के इशारों पर देश के संवैधानिक संस्थानों पर गातार हमले कर रहे हैं। ये देश में अस्थिरता फैलाना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पात्रा ने कहा कि ममता बनर्जी ने एसआईआर को फर्जी बताकर एक खास तरह का माहौल बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यह नैरेटिव गढ़ा गया कि एसआईआर फर्जी है, यह चुनावी रोल की शुचिता के लिए नहीं है, यह भाजपा के फायदे के लिए है और यह मसौदा गैरकानूनी है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

विशेष इस्पात के लिए पीएलआई 1.2 योजना का शुभारंभ, भारत के उन्नत इस्पात पारिस्थितिकी तंत्र को मिलेगा बड़ा प्रोत्साहन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : भारत सरकार ने विशेष इस्पात (स्पेशलिटी स्टील) के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना 1.2 का शुभारंभ किया, जो उच्च मूल्य विनिर्माण को सुदृढ़ करने और महत्वपूर्ण इस्पात श्रेणियों में आयात निर्भरता घटाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उद्योग जगत के भागीदारों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए, जिससे भारतीय उद्योग के दीर्घकालिक विकास पर विश्वास का संकेत मिलता है।एमओ यू हस्ताक्षर समारोह के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा कि पीएलआई 1.2 भारत में एक सशक्त, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक स्तर पर सक्षम विशेष इस्पात पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम है।उन्होंने कहा कि यह योजना माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के अनुरूप है तथा उन्नत एवं रणनीतिक इस्पात उत्पादों में घरेलू क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित करेगी।पीएलआई योजना 1.2 के अंतर्गत 55 कंपनियों के साथ 85 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनके माध्यम से 11,887 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। इन परियोजनाओं से वित्त वर्ष 2031 तक 8.7 मिलियन टन विशेष इस्पात क्षमता के सृजन की उम्मीद है, जिससे विद्युत इस्पात,मिश्र धातु एवं स्टेनलेस स्टील, कोटेड उत्पाद तथा रणनीतिक क्षेत्रों में उपयोग होने वाले उन्नत ग्रेड के इस्पात में भारत की क्षमताओं का विस्तार होगा। विशेष इस्पात के लिए पीएलआई योजना का तीसरा चरण उद्योग की मजबूत मांग और निरंतर क्षमता विस्तार की आवश्यकता के मद्देनजर शुरू किया गया है। यह योजना ऑटोमोबाइल, रेलवे, रक्षा, विद्युत उपकरण और एयरोस्पेस जैसे प्रमुख क्षेत्रों के लिए आवश्यक उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार की गई है। योजना के अंतर्गत पांच वर्षों के लिए 4 प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दर निर्धारित की गई है,जिससे निवेश, प्रौद्योगिकी उन्नयन और मूल्य संवर्धन को गति मिलेगी तथा भारतीय निर्माता वैश्विक मूल्य श्रृंखला में बेहतर ढंग से एकीकृत हो सकेंगे।पीएलआई 1.2 घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित कर संरचनात्मक अंतर को पाटने, विदेशी मुद्रा की बचत करने और भारत को उन्नत इस्पात का विश्वसनीय वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य करेगा।पीएलआई 1.0 और 1.1 के अंतर्गत 43,874 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता पहले ही प्राप्त हो चुकी है, जिसके परिणामस्वरूप उल्लेखनीय क्षमता निर्माण और रोजगार सृजन हुआ है। पीएलआई 1.2 इसी गति को आगे बढ़ाते हुए घरेलू इस्पात पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करेगा तथा पूरी मूल्य श्रृंखला को सुदृढ़ करेगा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने सहभागी कंपनियों से परियोजना ओं को समयबद्ध तरीके से लागू करने और स्वदेशी प्रौद्योगिकी एवं इनपुट्स के अधिकतम उपयोग का आह्वान किया।उन्होंने संचालन संबंधी मुद्दों के त्वरित समाधान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि पीएलआई 1.2 की सफलता भारत को विशेष इस्पात निर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएगी।

देश की सभी राजनीतिक पार्टियों ने मुस्लिम समुदाय के उत्थान के लिए मुस्लिम लीडरों, समाज सेवियों को अवसर दिये : इकबाल सिंह लालपुरा

लोकतंत्र की शान

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरमेन इकबाल सिंह लालपुरा से आयोग की मुस्लिम एडवायज़री पेनल के सदस्य मो.रियाज़ के साथ समाज सेवी मो. नासिर, इस्लामिक छात्र मो. आदिल सैफी ने भेंट की। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की। पूर्व चेयरमेन इकबाल सिंल लालपुरा ने कहा मुस्लिम समुदाय करे विकास से दूर करने में मुस्लिम लीडरों, समाज सेवियों का हाथ रहा है। देश की सभी राजनीतिक पार्टियों ने मुस्लिम समुदाय के उत्थान के लिए मुस्लिम लीडरों, समाज सेवियों को अवसर दिये परन्तु वह मुस्लिम समुदाय के लिए बेहतर विकास कार्य नहीं कर सके जिसकी क्षति वर्तमान मुस्लिम समुदाय को हुई है। इसके अलावा उन्होंने कहा मुस्लिम समुदाय आज भी समाज की मुख्यधारा से दूर है अगर वो अपना विकास चाहता है तो उसे शिक्षित और राजनीतिक क्षेत्र में आना होगा तभी उसका विकास संभव है इसके अलावा मो. रियाज़ ने कहा आज़ादी से लेकर अब तक जितने भी मुस्लिम समुदाय के लीडर सत्ता में रहे हैं उन्होंने अपने समुदाय के लिए केवल जुमलेबाजी की धरातल पर कोई कार्य नहीं किया यही कारण है देश का मुस्लिम समुदाय आज़ादी के 75 साल बाद भी दलितों से बदतर जीवन व्यतीत कर रहा है लेकिन आने वाले समय मे शिक्षा मे माध्यम से मुस्लिम समुदाय विकास की राह पर अग्रसर होगा। इसी तरह के विचार व्यक्त किये मो. नासिर व मो. आदिल ने।

ख़ास ख़बर

दिल्ली पुलिस का एएसआई 15 हजार की घूस लेते गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) ओम प्रकाश को 15 हजार रुपये की घूस लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने मंगलवार को बताया कि एजेंसी ने 07 फरवरी को मामला दर्ज किया था। आरोप था कि एएसआई ने शिकायतकर्ता से उसके भाई को जमानत दिलाने में मदद करने के लिए 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी और रकम न देने पर अन्य मामलों में फंसाने की धमकी दी थी। सीबीआई ने उसी दिन जाल बिछाया और आरोपित को शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ओम प्रकाश पश्चिम विहार थाने में तैनात थे। सीबीआई ने बताया कि मामले में आगे की जांच जारी है।

लारेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े बदमाशों ने ली वारदात की जिम्मेदारी

लोकतंत्र की शान ; नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के बाहरी उत्तरी जिले के बवाना में सोमवार दोपहर बदमाशों द्वारा प्लास्टिक कारोबारी को सरेआम दौड़ा-दौड़ाकर गोली मारने के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। वहीं इस हत्याकांड की जिम्मेदारी अमेरिका में बैठे कुख्यात गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े बदमाशों ने सोशल मीडिया के जरिए ली है। घटना सोमवार दोपहर करीब एक बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 35 वर्षीय व्यापारी वैभव गांधी अपनी जान बचाने के लिए सड़क पर भाग रहे थे। तभी मोटरसाइकिल पर सवार तीन से चार हथियारबंद बदमाशों ने उसका पीछा किया और लगातार गोलियां चलानी शुरू कर दीं। कुछ दूरी पर बदमाशों ने व्यापारी को घेर लिया और उस पर कई राउंड फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वैभव सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित हथियार लहराते हुए फरार हो गए। वहीं हत्या के कुछ ही समय बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई। जिसमें लारेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर रणदीप मालिक और अनिल पंडित ने वारदात की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में दावा किया गया कि बवाना में हुई कारोबारी की हत्या उन्होंने करवाई है। पोस्ट में यह भी लिखा गया कि जहां से कॉल की गई थी, वहां वैभव प्रवेश कर रहा था, इसलिए उसे "जिंदगी से बाहर कर दिया गया।" साथ ही चेतावनी दी गई कि जो भी उनके काम में बाधा बनेगा, उसका अंजाम भी यही होगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। वहीं मंगलवार को घटना से जुड़ी एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

रेलटेल को पश्चिम मध्य रेलवे से 455 करोड़ रुपये की 'कवच' परियोजना

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। रेल मंत्रालय के अंतर्गत नवरत्न सीपीएसई रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने रेलवे सुरक्षा और आधुनिकीकरण के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रेलटेल को पश्चिम मध्य रेलवे (डब्ल्यूसीआर) के जबलपुर मंडल में 1067 रूट किलोमीटर पर 'कवच' प्रणाली के कार्यान्वयन का 454.95 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। ईपीसी समझौते के अनुसार इस परियोजना को 960 दिनों में पूरा किया जाना है। 'कवच' भारतीय रेल की स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जिसे 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना के तहत विकसित किया गया है। यह प्रणाली ट्रेन टक्कर, अधिक गति और सिग्नल पासिंग एट डेंजर (एसपीएडी) जैसी घटनाओं को रोकने में सहायक है। उल्लेखनीय है कि रेलटेल पहले से ही पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) में 1109 रूट किलोमीटर में कवच प्रणाली के दो प्रोजेक्ट पर कार्य कर रहा है। रेलटेल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजय कुमार ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि पश्चिम मध्य रेलवे से मिला यह प्रतिष्ठित आदेश रेलटेल की तकनीकी क्षमताओं और रेलवे सुरक्षा अवसंरचना में उसकी भूमिका को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि रेलटेल स्वदेशी तकनीकी समाधानों के माध्यम से भारतीय रेल के सुरक्षित और स्मार्ट संचालन के राष्ट्रीय मिशन के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उच्च घनत्व वाले महत्वपूर्ण रेल मार्गों पर लागू की जाएगी। इसमें इटारसी–मानिकपुर खंड, महदेइया–बीना मालखेड़ी–महादेवखेड़ी, संपूर्ण कटनी कॉम्प्लेक्स, बीना मालखेड़ी–अगासोद, सतना–रीवा, कैमा–सगमा तथा बनसापहाड़–ओहन खंड शामिल हैं। कुमार ने कहा कि परियोजना के अंतर्गत ट्रैकसाइड कवच सिस्टम का सर्वे, डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य ईपीसी मोड पर किया जाएगा। इसके दायरे में स्टेशनों, लेवल क्रॉसिंग गेट्स और इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नल (आईबीएस) स्थानों पर कवच उपकरणों की स्थापना, ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) कार्य, टावरों की स्थापना तथा संबंधित सिविल, ट्रैक और विद्युत कार्य शामिल हैं।

एससी-एसटी समाज के केंद्रीय बजट में चोरी कर रही भाजपा सरकार- कांग्रेस

लोकतंत्र की शान संवाददाता : जीशान अली

नई दिल्ली: कांग्रेस ने केंद्र की भाजपा सरकार पर अनुसूचित जाति और आदिवासियों के बजट के पैसे का उपयोग अन्य कार्यों में किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। पार्टी ने यह भी कहा कि इन वर्गों के लिए पिछले कई वर्षों से लक्षित योजनाओं का बजट लगातार घट रहा है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम और आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने बताया कि मोदी सरकार द्वारा हाल ही में पेश किए गए 58 लाख करोड़ के कुल बजट में से अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 1,96,400 करोड़ रुपये और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 1,41,089 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों के विश्लेषण से पता चलता है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्गों के बजट का केवल 41 प्रतिशत ही वास्तव में उनके विकास के लिए उपयोग किया जा रहा है। 42 प्रतिशत पैसा सामान्य योजनाओं और 17 प्रतिशत ऐसी योजनाओं में जा रहा है, जिनका दलितों-आदिवासियों से सीधा संबंध नहीं है। गौतम ने कहा कि एससी-एसटी के बजट में से यूरिया सब्सिडी के लिए 14,584 करोड़ रुपये, फर्टिलाइजर सब्सिडी के लिए 6,804 करोड़ रुपये, टेलीकॉम कंपेंसेशन के लिए 2,539 करोड़ रुपये, इंफ्रास्ट्रक्चर मेंटेनेंस के लिए 2,535 करोड़ रुपये और रोड वर्क्स के लिए 10,150 करोड़ रुपये दिया गया, जबकि एससी-एसटी समुदायों के अधिकांश लोग भूमिहीन हैं और कृषि सब्सिडी का लाभ उन्हें नहीं मिलता।

सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेले में राजस्थान मंडप बना आकर्षण का केन्द्र

» 11 फरवरी को होगी राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या पद्मश्री गफूरुद्दीन मेवाती और श्रीमती गुलाबो सपेरा देंगी अपनी प्रस्तुति

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। हरियाणा के सूरजकुंड, फरीदाबाद में 15 फरवरी तक आयोजित हो रहे 16 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड शिल्प मेले में राजस्थान मंडप आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। मेले में राजस्थानी हस्तशिल्प उत्पादों की खूब बिक्री हो रही है साथ ही राजस्थान के पर्यटन क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी आगंतुकों को उपलब्ध करवाई जा रही है। राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक श्री छत्रपाल यादव ने बताया कि सूरजकुंड मेले में इस बार 11 फरवरी को राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह सांस्कृतिक संध्या मुख्य चौपाल मंच, सूरजकुंड मेला परिसर में सायं 6.30 बजे से प्रारंभ होगी। उन्होंने बताया कि इस सांस्कृतिक संध्या में राजस्थान की समृद्ध लोककला, लोकनृत्य एवं लोकसंगीत की विविध झलकियाँ प्रस्तुत की जाएंगी। कार्यक्रम की शुरुआत खड़ताल वादन एवं गायन से होगी, जिसमें बाड़मेर के श्री मगड़ा खां मागनियार अपनी प्रस्तुति देंगे। श्री यादव ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम अजमेर की सुश्री अरूषिका द्वारा चरी नृत्य एवं घूमर नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। बूंदी के श्री हरिशंकर नागर द्वारा कच्छी घोड़ी नृत्य दर्शकों को आकर्षित करेगा। डूंगरपुर के श्री गफूरुद्दीन मेवाती (पद्मश्री 2026) द्वारा मृदंग वादन प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में जयपुर की पद्मश्री से सम्मानित विश्व प्रसिद्ध श्रीमती गुलाबो सपेरा द्वारा कालबेलिया नृत्य तथा डूंगरपुर के श्री विष्णु शर्मा द्वारा मयूर एवं फूलों की होली की मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम के उद्बोधक के रूप में अलवर के श्री धर्मेन्द्र सिंह अपनी भूमिका निभाएंगे। राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या के माध्यम से सूरजकुंड शिल्प मेले में देश-विदेश से आए पर्यटकों को राजस्थान की लोक- संस्कृति और परंपराओं से रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

डीयू प्रो. मनोज कुमार कैन को मिला प्रथम बोधिसत्व अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान-2026

» सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को पत्रकारिता सिखाया है : प्रो.सुमन

» देश और पड़ोसी देशों के पत्रकारों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। संत शेर सिंह रिसर्च एंड एजुकेशनल ट्रस्ट (रजि.) और सार्क जर्नलिस्ट फोरम इंडिया चैप्टर के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के संगोष्ठी कक्ष में - बोधिसत्व अंतर्राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान 2026 का आयोजन किया गया। इस आयोजन में भारत के अलावा भारत के पड़ोसी देशों के पत्रकारों समाज सेवकों और बुद्धिजीवियों को सम्मानित किया गया । सम्मान स्वरूप प्रत्येक पत्रकार को शील्ड , अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । मुख्य अतिथि प्रो.रमा , अध्यक्षता प्रो.केपी सिंह , विशिष्ट अतिथि सुश्री पूजा पांडेय , इंडिया चेप्टर के अध्यक्ष डॉ.अनिरुद्ध व आयोजनकर्ता प्रो.हंसराज सुमन रहे । कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों के छात्र , शोधार्थी व शिक्षकों की उपस्थिति रही । कार्यक्रम के आयोजनकर्ता व ट्रस्ट के चेयरमैन प्रोफेसर हंसराज सुमन ने सम्मानित हो रहे पत्रकारों को संबोधित करते हुए भारत में पत्रकारिता की भूमिका - वास्तविक और छद्म पत्रकारिता पर विस्तार से चर्चा की। प्रोफेसर सुमन ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत में आज की पत्रकारिता छद्म जाल में उलझ चुकी है। वास्तविक पत्रकारिता को पुनः जागरूक करने की आवश्यकता है। 180 देशों की पत्रकारिता में भारत की पत्रकारिता 151वें स्थान पर पहुंच चुकी है। किसी समय भारत की पत्रकारिता अपनी विश्वनीयता के लिए पूरे विश्व में उत्तम मानी जाती थी। अब वह स्तर नहीं रहा। पत्रकारों को किसी भी तरह के बंधन से मुक्त होते हुए वास्तविक पत्रकारिता करनी चाहिए। कई बार मीडिया हाउस का दबाव छद्म पत्रकारिता के लिए बाध्य करता है। ऐसे में पत्रकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए पत्रकारिता करनी चाहिए। आज के कम्प्यूटर युग में मीडिया प्रौद्योगिकी का काफी विकास हो चुका है। बहुत से सोशल मीडिया साइट के प्लेटफार्म उपलब्ध हो गये हैं। वहाँ जाकर वास्तविक और यथार्थ पत्रकारिता की जा सकती है। इसमें आर्थिक आमदनी भी होती है।

भारत और सेशेल्स ने हिंद महासागर क्षेत्र में द्विपक्षीय रक्षा संबंध बढ़ाने पर जोर दिया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। भारत यात्रा पर आए रिपब्लिक ऑफ सेशेल्स के विदेश मंत्री जनरल माइकल एंसेलम मार्क रोसेट से मंगलवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने नई दिल्ली में मुलाकात की। दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने भारत और सेशेल्स के बीच बढ़ते रक्षा और सुरक्षा सहयोग की समीक्षा करने के साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा में सहयोगी और टिकाऊ सुरक्षा और विकास का विजन है। उन्होंने साझा चुनौतियों, खासकर समुद्री क्षेत्र, क्षमता निर्माण और विकास साझेदारी से निपटने के लिए मिलकर काम करने के तरीके के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भारत और सेशेल्स के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग के भविष्य के रास्तों पर विचार-विमर्श किया, जिसमें मुख्य सैन्य क्षमताओं के आधुनिकीकरण में लंबे समय की साझेदारी के जरिए क्षमता निर्माण में लगातार सहयोग पर ध्यान दिया गया। योगदान देने और द्विपक्षीय रिश्ते बढ़ाने पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने भारत और सेशेल्स के सशस्त्र बलों के बीच होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यास 'लामित्ये ' और क्षमता निर्माण पहल का भी स्वागत किया और संबंध मजबूत करने पर सहमत हुए। वार्ता के दौरान प्रशिक्षण, हाइड्रोग्राफी, जहाजों और एयरक्राफ्ट विजिट्स, डिफेंस डेलीगेशन विजिट्स और मैरीटाइम सिक्योरिटी के फील्ड में कोऑपरेशन पर भी चर्चा हुई। रक्षा सचिव ने अंतर राष्ट्रीय बेड़े की समीक्षा के साथ-साथ अगले हफ्ते विशाखापट्टनम में होने वाले समुद्री अभ्यास 'मिलन ' में सेशेल्स की तरफ से हिस्सा लेने का स्वागत किया। दोनों पक्षों ने सभी क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र उन्नति पर भी चर्चा की, जो भारत का सभी क्षेत्रों में समावेशी,

सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में क्रेडिट व थ्रिफ्ट सहकारी संस्थाओं की बैठक का आयोजन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में राजधानी की क्रेडिट एवं थ्रिफ्ट सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों और सदस्यों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सहकारी संस्थाओं की वर्तमान चुनौतियों, ऋण वसूली, डिफाल्टर प्रबंधन, दोहरी सदस्यता, प्रशासनिक प्रक्रियाओं तथा सहकारिता को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि सामाजिक विश्वास और सहभागिता का माध्यम है। समाज में सहकारिता के भाव को बनाए रखने और उसे मजबूत करने के लिए सभी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नियमित संवाद, पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय से ही सहकारी संस्थाएं जनता के लिए उपयोगी और विश्वसनीय बन सकती हैं। मंत्री ने कहा कि डिफाल्टर मामलों, अनियमित ब्याज दरों और दोहरी सदस्यता जैसी समस्याओं पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी तथा सभी संस्थाओं के लिए समान और स्पष्ट नियम लागू किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सहकारिता में "जेंटलमैन कमिटमेंट" और ईमानदारी का भाव दिखाई देना चाहिए तभी जनता का विश्वास बढ़ेगा। बैठक में सदस्यों ने दिया कि सहकारी संस्थाओं को समाज कल्याण के कार्यों में अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और सरकार तथा सहकारिता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होना चाहिए। मंत्री ने इस पर सहमति जताते हुए कहा कि सहकारिता विभाग को और अधिक सहभागी एवं उत्तरदायी बनाया जाएगा। रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने संस्थाओं की समस्याओं को सुनते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिनमें प्रमुख रूप से दोहरी सदस्यता की पहचान और डिफाल्टर सदस्यों पर सख्त कार्रवाई, दिल्ली राज्य सहकारिता अधिनियम की धारा 52 व 71 के आदेशों का प्रभावी क्रियान्वयन, लंबित ऋण वसूली मामलों में कार्रवाई तेज करना, पात्र संस्थाओं को दिल्ली राज्य सहकारी बैंक की सदस्यता समयबद्ध तरीके से देना और विभाग में वसूली प्रक्रिया को मजबूत करना। मंत्री ने कहा कि विभाग और संस्थाओं के सलाहकार बोर्ड के बीच हर 15 दिन में नियमित बैठकें आयोजित करने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली में नई सहकारी पहलें, स्टोर और रोजगार आधारित मॉडल विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी होगी। इससे न केवल संस्थाएं सशक्त होंगी बल्कि आम नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि दिल्ली की कई सहकारी संस्थाएं 50 वर्षों से अधिक पुरानी हैं और उनकी कार्यशैली सहकारिता की विश्वसनीयता का उदाहरण है। नई संस्थाओं को पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ कार्य करना होगा। इन्द्राज सिंह ने कहा कि सहकारिता का मूल भाव "मैं" नहीं बल्कि "हम" होना चाहिए। जब सभी सदस्य सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता के साथ कार्य करेंगे तभी सहकारी संस्थाएं मजबूत होंगी और समाज को वास्तविक लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता आपसी विश्वास, सहयोग और साझा प्रयास की भावना पर ही आगे बढ़ती है। मंत्री ने कहा कि नियमों के विरुद्ध कार्य करने वाली किसी भी सहकारी सोसायटी पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। सहकारिता क्षेत्र में पारदर्शिता अनिवार्य है और भ्रष्टाचार या अनियमितता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अंत में मंत्री ने सभी संस्थाओं से अपील किया कि वे नियमित भागीदारी सुनिश्चित करें और सहकारिता के माध्यम से समाज के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि सरकार और सहकारिता के संयुक्त प्रयास से ही सहकारिता आंदोलन को नई दिशा और गति मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के समीप बनाएगा ट्रॉमा सेंटर

लोकतंत्र की शान : लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई (इटावा) के अंतर्गत 250 शैय्या वाले लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया है। यह ट्रॉमा सेंटर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के समीप स्थापित किया जाएगा, जिससे सड़क दुर्घटनाओं सहित अन्य आपात परिस्थितियों में घायलों को त्वरित एवं उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। मंगलवार को बतौर कुलाधिपति विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेस-वे विश्वविद्यालय परिसर से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिसके कारण दुर्घटना पीड़ितों के उपचार में बहुमूल्य समय नष्ट होता है। प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटर का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर रूरल हेल्थ' की स्थापना के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए, जिसमें टेली-ओपीडी, वर्चुअल ओपीडी, डिजिटल डेटा एकीकरण तथा मोबाइल आउटरीच जैसी सेवाएं शामिल हों। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान को नई दिशा देने से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय को पश्चिमी एवं मध्य उत्तर प्रदेश के लिए उच्चस्तरीय चिकित्सा, शिक्षण एवं शोध के प्रभावी केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि उपचार, शिक्षण और अनुसंधान के प्रत्येक क्षेत्र में गुणवत्ता, संवेदनशीलता तथा समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में नवाचारों को प्राथमिकता देने पर बल देते हुए कहा कि देश के अग्रणी चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थानों की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों (बेस्ट प्रैक्टिसेज) का अध्ययन कर उन्हें विश्वविद्यालय की व्यवस्था में समाहित किया जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय से समाज की उच्च अपेक्षाएं जुड़ी हुई हैं, जिनकी पूर्ति के लिए हब-एंड-स्पोक मॉडल को प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में समग्र सुधार हो सके।

नीरज असाटी को लिपिक संघ का प्रांतीय संगठन सचिव बनाया गया

लोकतंत्र की शान : **खुर्ई:** मध्य प्रदेश शासकीय लिपिक वर्गीय संघ ने प्रदेश में अपने संगठन को और अधिक सशक्त और सक्रिय बनाने के उद्देश्य से आज एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की घोषणा की है। संगठन के प्रांताध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी ने सिविल हॉस्पिटल में संगणक के पद पर पदस्थ नीरज कुमार असाटी को प्रांतीय संगठन सचिव के पद पर नियुक्त किया है। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीरज कुमार असाटी पिछले लंबे समय से संगठन के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। उनकी कार्यशैली को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। इस नियुक्ति पर अन्य पदाधिकारियों एवं लिपिक साथियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

जिलाधिकारी ने विकास खण्ड विशेश्वरगंज का किया निरीक्षण

लोकतंत्र की शान : बहराइच/ मंगलवार कार्यालयों की साफ-सफाई, अभिलेखों के समुचित रख-रखाव तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने सोमवार को देर शाम खण्ड विकास अधिकारी विशेश्वरगंज के कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। ब्लाक कार्यालय परिसर के निरीक्षण डीएम ने साफ-सफाई पर संतोष जताया। डीएम ने परिसर में निर्मित बैठक सभागार, सहायक विकास अधिकारी पंचायत कक्ष (रिर्सोस सेण्टर) तथा आवासीय कालोनी का निरीक्षण करते हुए खण्ड विकास अधिकारी दीपेन्द्र पाण्डेय से जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। कार्यालय के निरीक्षण के दौरान डीएम श्री त्रिपाठी ने विभिन्न पटलों का अवलोकन करते हुए पंचायती कार्य, समाज कल्याण, जनसुनवाई, मनरेगा, स्थापना, आवास इत्यादि पटल सहायकों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा अभिलेखों एवं गार्ड फाईल के रख-रखाव को भी देखा। डीएम ने ग्रान्ट रजिस्टर प्रथम एवं द्वितीय का भी अवलोकन करते हुए आय-व्यय के सम्बन्ध में बीडीओ से जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान पटलों से सम्बन्धित अभिलेख व गार्ड फाईल इत्यादि कागजात व्यवस्थित पाये गये। इस अवसर पर सहायक खण्ड विकास अधिकारी व अवर अभियन्ता मौजूद रहे।

पत्रकार साथी धर्मेंद्र असाटी को मातृ शोक, दी श्रद्धांजलि

पत्रकार धर्मेंद्र की मां को पत्रकार संघ ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

लोकतंत्र की शान : खुर्ई /पत्रकार संघ खुर्ई ने पत्रकार साथी धर्मेंद्र असाटी जी की पूज्य माताजी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। इस दौरान उनकी आत्मा की शांति और परिवार को संबल मिलने के लिए प्रार्थना की गई। वरिष्ठ पत्रकार प्रेमनारायण तिवारी ने कहा कि मृत्यु तो अटल सत्य है लेकिन माता-पिता की सेवा भी पुत्र का कर्तव्य है, जो धर्मेंद्र असाटी ने निभाया है। हेमंत जैन ने कहा कि विगत दिनों से उनकी मां बीमार थी और धीरे-धीरे कई बीमारी भी उन्हें हो गई, काफी इलाज धर्मेंद्र ने कराया, खूब सेवा की, लेकिन वह हमारे बीच नहीं रहीं। पत्रकार संघ अध्यक्ष अमित दुबे ने बताया कि धर्मेंद्र ने अपनी माता जी की श्रवण कुमार की तरह दिन-रात सेवा की और खुर्ई, सागर, भोपाल में भी इलाज कराया। उन्होंने कहा कि ईश्वर की इच्छा के आगे किसी की नहीं चलती, लेकिन परिवार को इस दुख की घड़ी में ईश्वर शक्ति प्रदान करें और पुण्य आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें, ऐसी प्रभु से प्रार्थना है। इस अवसर पर सभी उपस्थित पत्रकारों ने माता जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

योगी सरकार और जिला प्रशासन संभल की बड़ी कामयाबी, 10 बीघा भूमि कब्ज़ा मुक्त

लोकतंत्र की शान , सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल : संभल जनपद के ग्राम हसनपुर मुंजब्ता, थाना हयातनगर क्षेत्र में योगी सरकार के सख्त निर्देशों पर भूमाफियाओं के खिलाफ तीसरे चरण की बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस दौरान लगभग 10 बीघा अवैध कब्ज़े की भूमि को प्रशासन ने कब्ज़ा मुक्त कराकर एक बड़ी सफलता हासिल की। इस प्रभावी कार्रवाई का नेतृत्व नायब तहसीलदार संभल द्वारा किया गया, जिनके साथ 6 लेखपाल सहित दर्जन भर अधिकारी व कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन की इस सख्ती से क्षेत्र के भूमाफियाओं और दबंगों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के समय शिकायतकर्ता गोपी चंद्र प्रजापति, इकराम तुर्की, बीडीसी मेंबर जावेद तुर्की, गुलाम हुसैन समेत कई ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासन की कार्रवाई की सराहना करते हुए इसे जनहित में एक ऐतिहासिक कदम बताया। योगी सरकार की कार्रवाई की तारीफ करते हुए इकराम तुर्की ने कहा कि "प्रदेश में कानून का राज स्थापित हो चुका है। योगी सरकार ने साफ कर दिया है कि गुंडे, बदमाश और भूमाफिया अब यूपी में नहीं चलेंगे। 2027 में जनता एक बार फिर योगी सरकार को पूर्ण बहुमत से सत्ता सौंपेगी।" इस कार्रवाई के दौरान गांव में तालाबों और ग्राम समाज की भूमि पर अवैध रूप से मकान बनाने वाले दबंगों में भी दहशत देखी गई। लोगों का कहना है कि अब सरकारी जमीन पर कब्ज़ा करने वालों के खिलाफ प्रशासन लगातार सख्त कदम उठा रहा है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन संभल और उत्तर प्रदेश सरकार का आभार जताते हुए कहा कि ऐसी कार्रवाइयों से न केवल सरकारी संपत्ति सुरक्षित होगी, बल्कि गांवों में न्याय और कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी।

चिरंजी लाल कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन डगरोली में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का हुआ शुभारंभ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: मंगलवार को चिरंजी लाल कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन डगरोली में प्रथम एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का उद्घाटन संस्थान निदेशक पुनीत अग्रवाल ने किया। गांव डगरोली में आयोजित शिविर में मां सरस्वती के तेल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्पार्चन कर किया। इस अवसर पर निदेशक पुनीत अग्रवाल ने कौशल विकास हेतु युवा विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवा ही हमारे समाज व राष्ट्र के निर्माता होते हैं हमें अपने बच्चों को भारत सरकार द्वारा चलाई गई नयी नयी कौशल विकास योजनाओं से समय-समय पर जानकारी साझा करनी चाहिए। जिससे हमारे बच्चे अपने परिवार, समाज एवं राष्ट्र को आगे बढ़ाने में सहयोग करते रहें। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री विकास योजना PMKVY 1.0 भारत की सबसे बड़ी प्रमाणन योजना 15 जुलाई 2015 विश्व युवा कौशल दिवस को शुरू की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को मुफ्त लघु अवधि का कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना एवं मौद्रिक पुरस्कार के माध्यम से कौशल विकास को प्रोत्साहित करना है कार्यक्रम अधिकारी राजकुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ राकेश आर्य, विनोद गुप्ता, लोकेश कुमार, अतुल शर्मा, जूही त्यागी, अमरपाल, अंजनी,अशोक, दीपक, धर्मेंद्र राजपूत, हिमांशी आदि उपस्थित रहे।

समृद्ध योजना: स्टार्टअप हब बनने की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेटी) की महत्वाकांक्षी "स्टार्टअप एक्सेलेरेटर ऑफ मेटी फॉर प्रोडक्ट इनोवेशन, डेवलपमेंट एंड ग्रोथ" (SAMRIDH) योजना में उत्तर प्रदेश ने प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है। स्टार्टअप्स को नवाचार, उत्पाद विकास और विस्तार के लिए तैयार करने वाली इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश से चयनित एक्सेलेरेटरों और स्टार्टअप्स की संख्या यह संकेत देती है कि प्रदेश तेजी से देश के प्रमुख स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों का असर अब राष्ट्रीय स्तर पर साफ दिखने लगा है। योगी सरकार द्वारा केंद्र की योजनाओं का लाभ जमीन तक पहुंचाने के लिए प्रदेश स्तर पर लगातार समन्वय किया जा रहा है। एक्सेलेरेटरों और स्टार्टअप्स की निगरानी, मेंटरशिप और बाजार से जोड़ने की प्रक्रिया को मजबूत किया गया है, ताकि युवा उद्यमियों को केवल फंडिंग ही नहीं बल्कि स्थायी विकास का रास्ता भी मिल सके। समृद्ध को लेकर उत्तर प्रदेश से कुल 10 एक्सेलेरेटरों ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जमा किया था। इनमें से 4 एक्सेलेरेटरों का चयन किया गया। इन चयनित एक्सेलेरेटरों के माध्यम से प्रदेश के 35 स्टार्टअप्स को एक्सेलेरेशन सपोर्ट दिया गया, जिनमें से 27 स्टार्टअप्स फंडिंग प्राप्त करने में सफल रहे। उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप्स को इस योजना के तहत कुल 9.91 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई। यह राशि स्टार्टअप्स को उनके उत्पाद के विकास, बाजार विस्तार और तकनीकी मजबूती के लिए दी गई है। केंद्र सरकार की इस योजना में स्टार्टअप्स को अधिकतम 40 लाख रुपये तक की मैचिंग फंडिंग का प्रावधान है, जबकि प्रत्येक स्टार्टअप के लिए एक्सेलेरेटरों को भी वित्तीय सहयोग दिया जाता है।

यूपी आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के समीप बनाएगा ट्रॉमा सेंटर

लोक तंत्र की शान

लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई (इटावा) के अंतर्गत 250 शैय्या वाले लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया है। यह ट्रॉमा सेंटर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के समीप स्थापित किया जाएगा, जिससे सड़क दुर्घटनाओं सहित अन्य आपात परिस्थितियों में घायलों को त्वरित एवं उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। मंगलवार को बतौर कुलाधिपति विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेस-वे विश्वविद्यालय परिसर से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जिसके कारण दुर्घटना पीड़ितों के उपचार में बहुमूल्य समय नष्ट होता है। प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटर का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर रूरल हेल्थ' की स्थापना के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए, जिसमें टेली-ओपीडी, वर्चुअल ओपीडी, डिजिटल डेटा एकीकरण तथा मोबाइल आउटरीच जैसी सेवाएं शामिल हों। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान को नई दिशा देने से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय को पश्चिमी एवं मध्य उत्तर प्रदेश के लिए उच्चस्तरीय चिकित्सा, शिक्षण एवं शोध के प्रभावी केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि उपचार, शिक्षण और अनुसंधान के प्रत्येक क्षेत्र में गुणवत्ता, संवेदनशीलता तथा समयबद्धता सुनिश्चित की जाए।

बाबरी ढांचे का सपना देखने वालों से सीएम योगी की दो टूक, कभी नहीं आने वाला कयामत का दिन

लोक तंत्र की शान

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबरी ढांचे का सपना देखने वालों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने दो टूक कहा कि कयामत का दिन कभी आने वाला नहीं है, जो लोग इसका सपना देख रहे हैं, सड़-गल जाएंगे। हिंदुस्तान में कायदे में रहने वाले फायदे में रहेंगे। अगर कोई कानून तोड़कर जन्नत जाने का सपना देख रहा है तो उसका यह सपना कभी पूरा नहीं होने वाला। कानून तोड़ने वाले का रास्ता कहीं और नहीं, सीधे जहन्नुम की तरफ ले जाता है। मुख्यमंत्री ने पूरी दृढ़ता के साथ कहा कि यह डबल इंजन सरकार पीएम मोदी के मार्गदर्शन में जो बोलती है, वह करके दिखाती है और जितना करती है, उतना ही बोलती है। हमने कहा कि रामलला आएंगे...। अब मंदिर भी बन गया है। हम विरासत को सम्मान देते हुए भारत व सनातन धर्म की गौरवशाली परंपरा को अक्षुण्ण रखेंगे। पीएम मोदी ने 25 नवंबर को अयोध्या में सनातन के प्रतीक श्रीराम मंदिर में भव्य केसरिया ध्वज का आरोहण किया था, यह ध्वज सदा भारत व सनातन के गौरव को आगे बढ़ाएगा। मुख्यमंत्री मंगलवार को हिंद केसरी ब्रह्मलीन महंत बाबा हरिशंकर दास जी महाराज की पुण्य स्मृति में श्रीराम जानकी मंदिर, दुल्हदेपुर कुटी (बाराबंकी) में आयोजित दशम श्री हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्री रामार्चा पूजन में सम्मिलित हुए। सीएम ने केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाएं व उपलब्धियां गिनाने के साथ ही कहा कि बाराबंकी में जल्द ही विकास प्राधिकरण प्रारंभ होगा।

सीएम की दो टूक, कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे – सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्ष पश्चात यह गौरवशाली क्षण आया। इतने वर्षों में अनेक राजा-महाराजा आए। 1952 के बाद से अनेक सरकारें बनीं, लेकिन किसी से मन में यह नहीं आया कि भगवान राम की जन्मभूमि अयोध्या पर भव्य मंदिर निर्माण हो। राम सबके हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे हैं जो अवसरवादी रवैया अपनाते हैं। जब संकट आता है तो उन्हें राम याद आते हैं, बाकी समय राम को भूल जाते हैं। ऐसे लोगों को भगवान राम भी भूल चुके हैं, अब उनकी नैया कभी पार नहीं होनी है। रामभक्तों पर गोली चलाने वालों और रामकाज में बाधक रामद्रोहियों के लिए कोई जगह नहीं है। बाबरी ढांचे का सपना देखने वालों को योगी ने चेताया कि कयामत का दिन कभी नहीं आने वाला। कयामत के दिन के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो। यहां का कानून मानो, कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। कानून तोड़ने वालों का रास्ता जन्नत नहीं, सीधे जहन्नुम की तरफ जाएगा।

आरएसपी इंटर कॉलेज में 12वीं के छात्रों को दी गई भावपूर्ण विदाई

लोक तंत्र की शान

बिजनौर। स्योहारा के आरएसपी इंटर कॉलेज में कक्षा 12 के विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कक्षा 11 के विद्यार्थियों की ओर से किया गया, जिसमें सीनियर छात्र-छात्राओं को शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई। समारोह का संचालन परिणीता त्यागी ने किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रबंधक रानी संयोगिता सिंह ने छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें गीत, नृत्य और मनोरंजक प्रस्तुतियां शामिल रहीं। कार्यक्रम के दौरान माहौल उत्साह और भावनाओं से भरा रहा। छात्र-छात्राओं की ओर से कांता प्रसाद पुष्पक, वीरेंद्र कुमार, बिजेंद्र सिंह, पंकज छाबड़ा, रघुवीर सिंह, ओमेंद्र त्यागी, रामसेवक सहित अन्य अध्यापकों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा हिंदी, अंग्रेजी, गणित सहित विभिन्न विषयों के शिक्षकों को भी सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांता प्रसाद पुष्पक ने विद्यार्थियों से अनुशासन में रहकर बोर्ड परीक्षाओं की गंभीरता से तैयारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अच्छे परिणाम न केवल छात्रों बल्कि विद्यालय और क्षेत्र का नाम भी रोशन करेंगे। इस अवसर पर स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

गौरा चौकी मार्ग को जोड़ने वाले बाईपास मार्ग मरम्मत निर्माण कार्य मे भारी अनियमिता

- मानक विहीन मसकनवां-गौराचौकी बाईपास सड़क निर्माण कार्य की व्यापारियों ने की शिकायत
- निर्माण कार्य की होगी जांच और अनियमितता मिलने पर सम्बन्धित पर होगी कार्रवाई : प्रिंस मल्ल

लोक तंत्र की शान

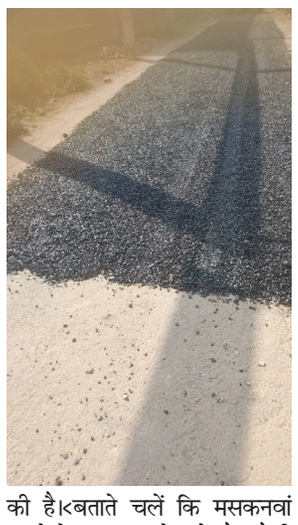

गोण्डा। मसकनवां -मनकापुर रोड से संगम मैरेज हाल होते हुए गौराचौकी मार्ग को जोडने वाला एक मात्र बाईपास सड़क मार्ग के मरम्मत निमार्ण कार्य मे भारी अनियमितता मामूली गिट्टी डालकर किये जा रहे लेपन को लेकर कस्बे के व्यापारियो ने विरोध करते हुए क्षेत्रीय सांसद के प्रतिनिधि से शिकायत कर मानक अनुरूप कार्य कराये जाने की मांग की है।<बताते चलें कि मसकनवां कस्बे के मनकापुर रोड से गौराचौकी रोड को जोडने वाला एक मात्र बाईपास सड़क काफी जर्जर था। जिसको लेकर कस्बे के व्यापारियों ने कई बार क्षेत्रीय सांसद से उक्त बाईपास सड़क मार्ग को ठीक कराने की मांग कर चुके थे। उसके उपरांत लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड गोण्डा द्वारा मनकापुर रोड से संगम मैरिज हाल-पशुपालन हास्पिटल होते गौराचौकी मार्ग के जोड़ने वाले बाईपास पर 750 मीटर सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। विभाग की मानें तो उक्त कार्य मरम्मत कार्य है। मात्र एक ट्रक गिट्टी गिरा जैसे तैसे किसी तरह गड्ढे को भरकर लेपन कार्य शुरू किया गया है। लेपन कार्य इस तरह हो रहा है की मामूली दबाव मे गिट्टी उखड़ जा रही है। जबकि उक्त बाईपास पर सैकड़ों की संख्या मे छोटे बडे वाहन गुजरते हैं जिससे सड़क पर काफी दबाव रहता है। इस संबंध मे कस्बे के व्यापारी विनय कुमार गुप्ता, श्याम सुंदर गुप्ता, सन्तोष गुप्ता,रवि गुप्ता, राम कुमार गुप्ता, व्यापार मण्डल अध्यक्ष विनोद कुमार मोदनवाल सहित कस्बे के सैकड़ों व्यापारियों ने गोण्डा सांसद केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री के प्रतिनिधि कमलेश पांडेय से लिखित शिकायत कर मानक विहीन किये जा रहे सड़क निर्माण को तत्काल प्रभाव से कार्य रोकते हुए कार्रवाई कराये जाने की मांग की है। प्रिंस मल्ल असिस्टेंट इन्जीनियर लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड गोण्डा से मानक विहीन बाईपास मार्ग निर्माण कार्य के सम्बन्ध मे जानकारी करने पर उनके द्वारा बताया गया कि उक्त निर्माण कार्य मरम्मत कार्य है। 750 मीटर सड़क निर्माण के लिए साढ़े आठ लाख रूपए की स्वीकृत है। मात्र दो सेंटीमीटर लेपन कार्य किया जाना एवं सड़क पर बने गड्ढे को भरा जाना है। शिकायत मिली है, निर्माण कार्य का निरीक्षण किया जायेगा,अगर मानक के अनुरूप कार्य नही हो रहा है सम्बन्धित के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

दरोगा पर अधिवक्ताओं से मारपीट एवं अभद्रता का आरोप, अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

लोक तंत्र की प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर: मंगलवार को हसनपुर नगर स्थित सिविल कोर्ट परिसर में उस समय हंगामा हो गया जब लगभग 2:30 बजे दरोगा और अधिवक्ता के बातचीत के दौरान नोकझोंक हुई फिर देखते-देखते मारपीट हो गई, अधिवक्ताओं ने दरोगा पर मारपीट के आरोप लगाए हैं वही अधिवक्ताओं का कहना है कि यदि दरोगा के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वरिष्ठ अधिकारियों से मिला जाएगा और जरूरत पड़ी तो उग्र आंदोलन भी किया जाएगा, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व बार अध्यक्ष सुनील शर्मा बीच बचाव करने पहुंचे तो धक्का लगने पर वह गिर गए और चोटिल हो गए, घटना पर कड़ा रोश जताते हुए वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा ने कहा कि जब तक आरोपी दारोगा के खिलाफ कार्यवाही नहीं होती अधिवक्ता समाज विरोध जारी रखेगा, हंगामा की सूचना पर पुलिस क्षेत्र अधिकारी पंकज त्यागी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और उच्च अधिकारियों को अवगत कराया, उच्च अधिकारियों व अधिवक्ताओं के बीच चली वार्ता के बाद मामला शांत हुआ फिलहाल अधिवक्ताओं की ओर से पुलिस के खिलाफ शिकायत पत्र देकर कार्यवाही की मांग की गई है, वही पीड़ित अधिवक्ता मनीराम ने बताया कि 4 जनवरी को दरोगा द्वारा उनके साथ पहले भी घटना घटित की जा चुकी है, जिसको लेकर पीड़ित अधिवक्ता ने दरोगा के खिलाफ शिकायती पत्र मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट अमरोहा में दाखिल किया था जिसको वापस लेने का यह दरोगा दबाव बना रहे थे और आज यह घटना घटित हो गई। वहीं घटना के संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा एवं मारपीट के संबंध में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली इंजीनियरिंग कॉलेज में 5 दिवसीय संगोष्ठी का समापन

हाजीपुर। बिदुपुर के चकसिकंदर स्थित गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, वैशाली में बिहार विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा प्रायोजित पांच दिवसीय संगोष्ठी का समापन हो गया। "स्मार्ट कम्युनिकेशन और ऊर्जा प्रौद्योगिकियों" पर आधारित इस संगोष्ठी के सफल प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार के संबोधन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। बीटेक के छात्र प्रकाश कुमार ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों के साथ-साथ महाविद्यालय के फैकल्टी सदस्य भी उपस्थित रहे। बिहार काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक और महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनंत कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से संगोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि विकसित बिहार का उद्देश्य आईटी के क्षेत्र में अग्रणी बनना है, जिसके लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम छात्र-छात्राओं को समय के अनुकूल ज्ञानवर्धन का अवसर प्रदान करते हैं, जो उनके करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचार्य ने इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार के लिए महाविद्यालय के फैकल्टी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान हेड ऑफ द डिपार्टमेंट डॉ. रवि रंजन ने उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। प्रो. कुमार विमल ने छात्र-छात्राओं को सेमिनार में सीखे गए ज्ञान को वास्तविक जीवन में प्रयोग करने का संदेश दिया। सेमिनार की संयोजक डॉ. तृप्ता ने इसे सफल बनाने में अथक प्रयास करने वाले सभी फैकल्टी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने चलचित्र के माध्यम से सेमिनार के सत्रों के परिणामों पर चर्चा की और उपस्थित प्रतिभागियों के बीच सेमिनार के उद्देश्यों को विस्तृत रूप से प्रस्तुत कर उनका ज्ञानवर्धन किया। डॉ. तृप्ता ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य स्मार्ट कम्युनिकेशन सिस्टम और ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में हाल के विकास के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करना था।

वैशाली में भाई पर तलवार से किया हमला

हाजीपुर। वैशाली जिले के महुआ थाना क्षेत्र में चकमालकानी के वार्ड नंबर 03 में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। 9 फरवरी 2026 को बीमार मां के इलाज का खर्च मांगने पर छोटे भाई ने बड़े भाई के सिर पर तलवार से हमला कर दिया। पीड़ित शिवनाथ दास (50) ने बताया कि जब वह घर का काम कर रहे थे, तभी उनके छोटे भाई प्रेम कुमार दास (50) लाठी-डंडे और तलवार लेकर मौके पर पहुंचे। प्रेम कुमार दास ने शिवनाथ दास को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से तलवार से उनके सिर पर वार किया। इस हमले में शिवनाथ दास के सिर पर गंभीर चोट आई। जब शिवनाथ दास की पत्नी उन्हें बचाने आईं, तो प्रेम कुमार दास ने उन्हें पकड़कर जमीन पर गिरा दिया। प्रियंका देवी और रामनाथ दास ने भी शिवनाथ दास की पत्नी को रोकने का प्रयास किया। इस घटना में प्रेम कुमार दास के साथ प्रियंका देवी, रेणु देवी, अनु देवी और प्रभा देवी भी शामिल थीं। ये सभी विशुनदेव दास की संतानें बताई जा रही हैं। स्थानीय लोगों की मदद से शिवनाथ दास को महुआ अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके सिर पर 17 टांके लगाए। शिवनाथ दास ने पुलिस से इस मामले में उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में महुआ थाना अध्यक्ष ने बताया कि थाने में आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

शादी का कार्ड बांटकर लौट रहे युवक की मौत

हाजीपुर। वैशाली के सराय थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। यह घटना सराय टोल प्लाजा के पास हुई, जब युवक अपनी ममेरी बहन की शादी का कार्ड बांटकर घर लौट रहा था। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गरौल थाना क्षेत्र के भटौलिया गांव निवासी मिथिलेश राय के पुत्र पवन कुमार के रूप में हुई है। वह मुजफ्फरपुर से अपने मामा की बेटी की शादी के कार्ड बांटकर लौट रहा था और उसके साथ एक साथी भी था। मृतक के चाचा साहेब लाल राय ने बताया कि सराय टोल प्लाजा के पास पवन ने नाश्ता किया था। इसके बाद वह घर लौटने के लिए NH 22 सड़क पार कर रहा था। तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सराय थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुजफ्फरपुर में अतिक्रमण हटाने गई टीम का विरोध

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के चौथे दिन भारी हंगामा हुआ। ग्रामीणों और अतिक्रमण हटाने गई टीम के साथ झड़प हुई है। मामला सिकंदरपुर थाना क्षेत्र में लकड़ी ढाई बांध रोड का है। अतिक्रमण हटाओ अभियान का ग्रामीण विरोध कर रहे थे, जबकि कुछ अन्य लोग प्रशासन की कार्रवाई का समर्थन कर रहे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया, जिसने जल्द ही हिंसक रूप ले लिया और इलाके में तनाव फैल गया। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने सड़क पर आगजनी की और बांस-बल्ले लगाकर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। ग्रामीणों ने प्रशासन पर भेदभाव का आरोप लगाया। उनका कहना था कि उनके घरों को बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के उजाड़ा जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मौके पर पुलिस बल बुलाया गया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी ग्रामीणों को समझाने और स्थिति को शांत करने का प्रयास कर रहे थे। हालांकि, सालों से वहां रह रहे स्थानीय लोग वैकल्पिक आवास की मांग पर अड़े रहे। घटना के कारण लकड़ी ढाई बांध रोड पर आवागमन बाधित रहा, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान न्यायालय के आदेशानुसार चलाया जा रहा है। इलाके में अभी भी तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और पुलिस बल तैनात है। मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरपुर पुलिस ने शुरू किया 'ऑपरेशन चेतक'

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने जिले में बढ़ते वाहन चोरी के मामलों पर अंकुश लगाने के लिए 'ऑपरेशन चेतक' शुरू किया है। एसएसपी कांतेस कुमार मिश्रा के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत पुलिस टीम शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के गैराजों की सघन तलाशी ले रही है। ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर ने बताया कि ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य चोरी या लूटे गए वाहनों को बरामद करना और उन ठिकानों को नष्ट करना है, जहां अपराधी इन्हें छिपाते हैं। पुलिस को जानकारी मिली थी कि शातिर अपराधी चोरी के वाहनों के इंजन और चेसिस नंबर बदलकर या उनके पुर्जे बेचने के लिए स्थानीय गैराज का उपयोग करते हैं। इनपुट के आधार पर जिले के सभी छोटे-बड़े मैकेनिक शॉप और गैराजों में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। सत्यापन के दौरान, पुलिस अधिकारी वाहनों के कागजात की जांच कर रहे हैं। तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता से इंजन तथा चेसिस नंबर का डेटाबेस से मिलान कर रहे हैं। अगर किसी वाहन का नंबर संदिग्ध पाया जाता है या कागजात में कोई विसंगति मिलती है, तो उसे तत्काल जब्त किया जा रहा है।

नीट छात्रा की मौत पर प्रदर्शन महिलाओं पर लाठीचार्ज

एजेंसी, पटना

- दूसरी बैरिकैडिंग तोड़ने की भी कोशिश, बोलीं- चुनाव से पहले 10 हजार-बाद में हत्या-बलात्कार

NEET छात्रा की मौत को लेकर पटना में प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। AISA और APWA की महिला कार्यकर्ता गांधी मैदान से विधानसभा घेरने निकली थीं। करीब 2 घंटे चले प्रदर्शन को पुलिस ने डाकबंगला चौराहे पर रोका। यहां महिलाएं सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रही थीं। 'सरकारी नारा बेटी बचाओ, सरकारी मंशा बलात्कारी बचाओ।' 'NDA की ये सरकार नहीं चलेगी अबकी बार, JDU की ये सरकार नहीं चलेगी अबकी बार।' इससे पहले DSP कृष्ण मुरारी बैरिकेडिंग को तोड़ने से रोकने के लिए खड़े दिखाई दिए। उन्होंने महिलाओं को समझाया कि वे लौट जाए। महिलाएं बैरिकैडिंग तोड़कर आगे बढ़ना चाह रही थीं। पुलिस ने वाटर कैनन की गाड़ी बुलाई थी। इससे पहले गांधी मैदान से निकली महिलाओं को पुलिस ने जेपी गोलबंर पर बैरिकेडिंग कर के रोका था। महिलाएं पुलिस से भिड़ गईं। बैरिकेडिंग तोड़कर डाकबंगला की ओर बढ़ गईं। ये मार्च राज्य में महिलाओं, छात्राओं और बच्चियों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और प्रशासनिक संरक्षण में हो रहे अपराधों के खिलाफ है। दरअसल 'बेटी बचाओ न्याय यात्रा' की शुरुआत 4 फरवरी से जहानाबाद से की गई, जिसका समापन सोमवार को पटना में हुआ। यात्रा NEET स्टूडेंट के गांव से शुरू होकर नालंदा, नवादा, गया और अरवल से होते हुए सोमवार को पटना पहुंची थी।

सरकार में बलात्कारियों का मनोबल बढ़ाः AIPWA की महासचिव मीना तिवारी ने कहा, हमने 4 फरवरी से बेटी बचाओ न्याय यात्रा की शुरुआत की थी। इस दौरान लोगों का काफी गुस्सा हमें सरकार के प्रति देखने को मिला। अभी सरकार आए 3 महीने भी नहीं हुए हैं और अपराधी, बलात्कारी का मनोबल बढ़ गया है। हमारी मांग है कि CBI की जांच कोर्ट की निगरानी में हो।

चुनाव के बाद बिहार में छात्राओं, कामकाजी महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक वृद्धि हुई है, जो राज्य की कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा तंत्र की गंभीर विफलता को उजागर करती है।

पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल और परफेक्ट गर्ल्स हॉस्टल से जुड़े मामलों पर पुलिस-प्रशासन ने परिजनों को ही निशाना बनाया। परिजनों पर दबाव, बयान बदलवाने की कोशिश, CCTV फुटेज छिपाना, फॉरेंसिक जांच से बचना और मीडिया पर दबाव बनाना यह दर्शाता है कि राज्य तंत्र सच्चाई को दबाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जन दबाव के बाद CBI जांच की अनुशंसा हुई है, लेकिन न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट के सीटिंग जज की निगरानी में जांच कराना जरूरी है।

पप्पू यादव को बेल लेकिन जेल में ही रहेंगे

- जज के सामने फूट-फूटकर रोने लगे सांसद
- बोले- हुजूर इंजेक्शन देकर ये लोग हत्या कर देंगे

एजेंसी, पटना

पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को मंगलवार को MP-MLA कोर्ट से 31 साल पुराने मामले में जमानत मिल गई। हालांकि, वे फिलहाल जेल में ही रहेंगे। बताया जा रहा है कि कोतवाली थाना और बुद्धा कॉलोनी थाना से जुड़े मामलों में पप्पू यादव को अभी जमानत नहीं मिली है। इन मामलों में बुधवार को सुनवाई होगी। तब तक पप्पू यादव पटना के बेऊर जेल में ही रहेंगे। सुनवाई के दौरान पप्पू यादव ने जज के सामने पटना पुलिस पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। अपनी बात रखते समय वे भावुक हो गए और फूट-फूटकर रोने लगे। पप्पू यादव ने दावा किया कि बेऊर जेल के अंदर उन्हें किसी तरह का इंजेक्शन देकर जान से मारने की साजिश रची जा रही है। सांसद ने जज से गुहार लगाते हुए कहा कि उन्हें पटना पुलिस पर भरोसा नहीं है। जमानत पर सुनवाई के लिए पप्पू यादव करीब 12:30 बजे बेऊर जेल से कोर्ट पहुंचे थे। दोपहर 2 बजे जमानत याचिका पर सुनवाई शुरू हुई। इस दौरान वे कोर्ट में व्हीलचेयर पर बैठे नजर आए। 3 बजे वे वापस जेल चले गए।

इन दोनों केस में रिमांड पर हैं पप्पू यादवः

बुद्धा कॉलोनी केसः 6 जनवरी की रात पुलिस पप्पू यादव को गिरफ्तार करने पहुंची थी तो उनके समर्थकों ने विरोध किया था। पुलिसकर्मियों के साथ बहस हुई थी। इसे लेकर बुद्धा कॉलोनी थाने में सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज किया गया था।

कोतवाली थाना केसः 27 मार्च 2017 को पप्पू यादव ने अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी (JAP-L) के बैनर तले बिहार में बिजली टैरिफ में भारी बढ़ोतरी और BSSC पेपर लीक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

पटना- 32 लाख कैश के साथ दो युवक पकड़ाए

एजेंसी, पटना

- निजी कंपनी का पैसा बैंक में जमा करने जा रहे थे, पुलिस ने रोका

पटना सिटी के मुंगलपुरा में पुलिस ने मंगलवार को दो युवकों के पास से 32 लाख रुपए बरामद किए हैं। ये युवक एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोका। पुलिस को देखकर युवकों ने भागने का प्रयास किया, जिसके बाद उन्हें रोककर उनके बैग की तलाशी ली गई। बैग से 500 रुपए के नोटों में 32 लाख रुपए मिले। युवकों ने बताया कि यह पैसा वर्धमान की एक कंपनी का है, जिसे वे पटना के एक बैंक में जमा करने जा रहे थे।

आयकर विभाग को दी सूचनाः युवकों के जवाब पर पुलिस को संदेह हुआ। इसके बाद उन्हें थाने ले जाकर गहन पूछताछ शुरू की गई है। पुलिस ने इस मामले में आयकर विभाग को भी सूचना दी है। पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी डॉ. गौरव कुमार ने बताया कि मुंगलपुरा चौकी के पास से गुजरते समय पुलिस ने युवकों को रोका था।

सुनील सिंह बोले-टपोरी मंत्री ने मुझे सदन में गालियां दीं

एजेंसी, पटना

- अशोक चौधरी के साथ तीखी बहस, विधान परिषद में हंगामा, विपक्षी एमएलसी एक दिन के लिए सस्पेंड

लंच ब्रेक के बाद विधानसभा में पथ निर्माण विभाग के बजट पर चर्चा हुई। राजद विधायक सुरेंद्र राम ने तेजस्वी यादव को नौकरी मैन ऑफ द बिहार की उपाधि दी। इधर, बिहार विधान परिषद में मंगलवार को भी जमकर हंगामा हुआ। कल हए विवाद पर राजद के MLC ने सवाल उठाए। जिसके बाद पक्ष-विपक्ष के MLC में बहस हुई। राजद MLC बेल में आकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। हंगामे को देखते हुए सभापति अवधेश नारायण सिंह ने विपक्ष के MLC को पूरे दिन की कार्यवाही के लिए सदन से बाहर कर दिया। सभापति ने सदन में मार्शल को भी बुलाया, ताकि MLC को बाहर किया जा सके। इस दौरान अशोक चौधरी और सुनील सिंह के बीच तीखी बहस हुई। अशोक चौधरी ने सुनील सिंह से कहा, 'तुम क्या हो।' वहीं सुनील सिंह ने बेल में आकर, 'अशोक चौधरी होश में आओ' के नारे लगाए। दोनों ओर से औकात दिखाने देने तक की बातें हुईं। सुनील सिंह ने अशोक चौधरी को टपोरी कहा। उन्होंने कहा, 'टपोरी मंत्री ने मुझे गालियां दीं। प्रोसिडिंग के पेपर से मुझे मारने की कोशिश की गई।' वहीं उद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा, 'राजद सदस्य ने लोकतंत्र के मंदिर में दलित मंत्री को गाली दी है। वीडियो फुटेज देखकर कार्रवाई हो और वो माफी मांगे।' इसपर सभापति ने कहा, 'इस पर हमने संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट का जो निर्णय है, उस पर भी विचार होगा।' बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद बांकीपुर विधायक नितिन नवीन पहली बार विधानसभा पहुंचे। एनडीए विधायकों ने उनका स्वागत किया। विधानसभा में उनके आते ही भारत माता जय के नारे लगे। स्पीकर समेत सदन के सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। इधर, बजट सत्र के छठे दिन भी विपक्ष लॉ-एंड-ऑर्डर पर सरकार को घेरने की कोशिश दिखी। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया।

महिला अपराध पर विपक्ष का वॉकआउटः माले के विधायक संदीप सौरभ ने कहा, विपक्ष एकजुट होकर कार्य स्थगन प्रस्ताव विधानसभा में लाया है। हम सभी चाहते हैं कि सभी मुद्दों को दरकिनार कर महिला उत्पीड़न के मामले पर चर्चा कराई जाए। हंगामे को देखते हुए स्पीकर ने मार्शल को बुलाया है, और पोस्टर हटाने को कहा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा, आपलोगों को मौका मिलेगा शून्यकाल में मुद्दे को उठाइएगा। इधर, संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी सदन में खड़े हुए। उन्होंने कहा, 'विपक्ष नारे लगा रहा है कि सीएम जवाब दें। लेकिन इसकी एक प्रक्रिया है। विपक्ष तय नियमावली के तहत सवाल उठाए। सरकार जब देने के लिए तैयार है।' हंगामे के बाद विपक्ष के विधायकों ने सदन से वॉक आउट किया।

उलझन में हैं विपक्ष के विधायकः विजय चौधरीः संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी ने कहा, 'विपक्ष के साथी उलझन की स्थिति में हैं। वे सरकार से जवाब की मांग रहे थे। हमने अनुरोध किया, आपने अनुरोध किया। सरकार किसी भी मामले में जवाब देने के लिए तैयार है। कई मिनटों पर बैठने के बाद पता नहीं उन्हें क्या सूझा कि अचानक से उठ कर चले गए। जब बैठ गए तो क्यों चले गए।

नितिन नवीन ने मंदिरी सड़क का किया निरीक्षण

एजेंसी, पटना

- डिप्टी सीएम भी रहे साथ सदन की कार्यवाही में भी राष्ट्रीय अध्यक्ष हुए शामिल

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को मंदिरी नाले पर बन रही सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ डिप्टी सीएम विजय सिन्हा भी मौजूद रहे। इस दौरान सड़क निर्माण से संबंधित जानकारियां अधिकारियों ने दी। इससे पहले बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद बांकीपुर विधायक नितिन नवीन पहली बार विधानसभा पहुंचे। एनडीए विधायकों ने उनका स्वागत किया। विधानसभा में उनके आते ही भारत माता जय के नारे लगे। स्पीकर समेत सदन के सदस्यों ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार पटना आगमनः राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन सोमवार को पहली बार पटना पहुंचे थे। बापू सभागार में उनका भव्य स्वागत किया गया था। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'जोड़ी मोदी-नीतीश जी के हिट होई' गाने पर गमछा लहराकर उनका स्वागत किया था। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जो पार्टियां केवल खुद से शुरू होकर खुद पर ही खत्म हो जाती हैं, वे देश और बिहार का भविष्य उज्ज्वल नहीं बना सकतीं। उन्होंने कहा कि राजनीति से पहले सामाजिक बनना जरूरी है और लोगों से जुड़कर काम करना होगा।

नेशन फर्स्ट की सोच के साथ काम करने पर जोरः नितिन नवीन ने कहा था कि कार्यकर्ताओं को जनता का विश्वास जीतना होगा। बीजेपी 'नेशन फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट और सेल्फ लास्ट' की सोच के साथ काम करती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार की जनता का आभार जताते हुए 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में बिहार सरकार की अहम भूमिका होगी।

बंगाल चुनाव पर भी फोकसः बिहार में बड़े स्तर पर कार्यक्रम के आयोजन को पश्चिम बंगाल चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। बिहार से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नेताओं को बंगाल भेजने की तैयारी है। 2021 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने 294 सीटों में से 77 सीटें जीती थीं।

हाजीपुर होटल के पास संदिग्ध हालत में मिला शव, पोस्टमार्टम हुआ

- 72 घंटे पहचान के लिए रखा गया, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी, हाजीपुर

हाजीपुर सदर अस्पताल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम के बाद पहचान के लिए रखा गया है। यह शव सराय थाना क्षेत्र के एक निजी होटल के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। सराय थाने की पुलिस को सूचना मिली कि एक निजी होटल के पास अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल ले आई।

72 घंटे तक पहचान के लिए अस्पताल में रखा जाएगाः सदर अस्पताल में अज्ञात शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। नियमानुसार, शव को अगले 72 घंटे तक पहचान के लिए अस्पताल में रखा जाएगा। पुलिस ने अज्ञात शव की पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

एसकेएमवी कॉलेज में छात्रवृत्ति रुकने पर छात्रों का हंगामा, तकनीकी खामी बनी वजह

एजेंसी, पटना

- बीईओ ने दी जानकारी, रुकी हुई राशि तुरंत देने की मांग

पटना के फतुहा स्थित एसकेएमवी कॉलेज में मंगलवार को स्नातक के छात्र-छात्राओं ने छात्रवृत्ति की राशि रुकने को लेकर जमकर बवाल काटा। आक्रोशित छात्रों ने कॉलेज प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और परिसर में घंटों हंगामा किया। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि कॉलेज कर्मियों को बीच-बचाव करना पड़ा और काफी मशक्कत के बाद छात्रों को समझा-बुझाकर शांत कराया गया। छात्रों का मुख्य आरोप था कि उनकी वैध छात्रवृत्ति की राशि जानबूझकर रोकी गई है, जिससे उनकी आगे की पढ़ाई और आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि स्नातक के कई छात्रों के खाते में छात्रवृत्ति की राशि नहीं पहुंची थी। प्रदर्शन कर रहे छात्रों के बीच यह चर्चा फैल गई कि पूर्व में जब कॉलेज बंद था, तब प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (BEO) ने वहां का औचक निरीक्षण किया था। छात्रों को लगा कि बीईओ द्वारा भेजी गई प्रतिकूल रिपोर्ट के आधार पर ही उनकी छात्रवृत्ति रोकी गई है।

रुकी हुई राशि का भुगतान करने की मांगः इसी आक्रोश में छात्र कॉलेज परिसर से निकलकर सीधे प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी भवन पहुंच गए और वहां भी विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों की मांग थी कि उनकी रुकी हुई राशि का भुगतान अविलंब सुनिश्चित किया जाए। इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुजीत कुमार ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि यह समस्या किसी निरीक्षण की रिपोर्ट के कारण नहीं, बल्कि कॉलेज के आंतरिक प्रशासनिक कलह की वजह से उत्पन्न हुई है। दरअसल, पूर्व में कॉलेज के दो प्राचार्यों के बीच चल रहे विवाद के दौरान पूर्व प्राचार्य द्वारा सिस्टम कोड में 'एरर' लगवा दिया गया था। इसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण डेटा वेरिफिकेशन की प्रक्रिया बाधित हुई और छात्रों की राशि अटक गई। बीईओ ने आगे बताया कि अब नए प्राचार्य ने उस एरर को हटवा दिया है और जल्द ही पोर्टल अपडेट हो जाएगा। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि तकनीकी सुधार के बाद छात्रवृत्ति की राशि जल्द ही उनके खातों में भेज दी जाएगी। इस आश्वासन के बाद छात्र शांत हुए और मामला सुलझ सका।

कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कृष्णा अल्लावरू का निर्देश

- कमेटी ऑब्जर्वर्स का 17 फरवरी से क्षेत्रीय दौरा, 6 मार्च को सौंपेंगे रिपोर्ट, संगठन सृजन अभियान चलेगा

एजेंसी, पटना

बिहार में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए पार्टी द्वारा संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के लिए बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ऑब्जर्वर्स के लिए कार्यक्रम के साथ निर्देश जारी किया है। 16 फरवरी को सदाकत आश्रम में सुबह 10:30 बजे से PCC ऑब्जर्वर्स को ट्रेनिंग दी जाएगी। 17 फरवरी को उन्हें आवंटित जिलों में रिपोर्ट करना होगा। फिर 17 फरवरी से 1 मार्च तक सभी ऑब्जर्वर्स को क्षेत्रीय दौरा करना होगा। इसमें कम से कम 7 दिन का दौरा और जिले के प्रत्येक ब्लॉक का दौरा करना जरूरी है। 6 मार्च को सभी ऑब्जर्वर्स को अंतिम रिपोर्ट जमा करनी है।

क्षेत्र दौरे में करनी है कई एक्टिविटीः इसके साथ ही क्षेत्र दौरे के दौरान कई एक्टिविटी भी करनी है। जिला मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करनी है, जिला स्तरीय नेताओं/कार्यकर्ताओं की बैठक होगी, विधानसभा और ब्लॉक स्तरीय नेताओं/कार्यकर्ताओं की बैठक होगी।

संक्षिप्त समाचार

सिरसा: दंपति सहित चार नशा तस्कर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : सिरसा। स्थानीय पुलिस ने एक दंपति सहित चार नशा तस्कारों को गिरफ्तार कर हेरोइन व चूरापोस्त बरामद किया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए तस्करों की पहचान सिरसा जिला निवासी कुलवंत सिंह, बिंद्र कौर, जितेंद्र कुमार व सखुबीर सिंह के रूप में हुई। सीआईए सिरसा प्रभारी ने मंगलवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान रोड़ी क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान नहर पुल के नजदीक एक मोटरसाइकिल पर एक पुरुष व महिला आती दिखाई दिए, जो कि पुलिस टीम को देखकर वापस मुड़ गए। पुलिस ने शक के आधार पर उनका पीछा कर उन्हें रोका और तलाशी ली तो उसके कब्जे से 11 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपियों की पहचान कुलवंत सिंह व उसकी पत्नी बिंद्र कौर के रूप में हुई। इसके अलावा पुलिस ने सिरसा के सी ब्लॉक क्षेत्र से बाइक सवार एक व्यक्ति को साढ़े तीन किलोग्राम चूरापोस्त सहित दबोचा है। पुलिस टीम गश्त पर थी। सी ब्लॉक क्षेत्र में बाइक सवार को पुलिस ने जांच के लिए रोका। तलाशी के दौरान उसके बैग से चूरापोस्त बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जितेंद्र कुमार के रूप में हुई। एएनसी स्टाफ डबवाली पुलिस ने गांव सालमखेड़ा क्षेत्र से सुखबीर सिंह को हेरोइन सहित काबू किया है। एएनसी स्टाफ प्रभारी रणजोत सिंह ने बताया कि पुलिस टीम गांव सालमखेड़ा क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान एक व्यक्ति पैदल आता दिखाई दिया जो कि सामने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने शक के आधार प उसे दबोच लिया और तलाशी ली तो उसके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों के खिलाफ संबंधित पुलिस थाना में अभियोग दर्ज किया गया है।

शीशम के पेड़ चोरी की वारदात सुलझी, आरोपी गिरफ्तार: पुलिस ने गंग नहर किनारे से शीशम के पड़े चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी जगजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की निशानदेही पर 24 पेड़ बरामद किए गए हैं। चौटाला चौकी प्रभारी सतपाल सिंह ने बताया कि वन विभाग की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। शिकायत में बताया गया था कि बीती दो फरवरी की रात को गंग नहर से 24 शीशम के हरे पेड़ काटकर कोई चुरा ले गया है। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज करते हुए जांच के दौरान आरोपी जगजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

नगर निगम : यूडी टैक्स की वसूली के लिए निगम का वसूली अभियान जारी

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। जोधपुर नगर निगम की तरफ से यूडी टैक्स वसूली के लिए आज दूसरे दिन भी कार्रवाई जारी रही। नगर निगम अब सख्ती से टैक्स वसूली में लगा है। सोमवार की गई कार्रवाई के बाद आज शहर दूसरे दिन कार्रवाई फिर चली। रेलवे स्टेशन-एमजीएच रोड पर सन्नाटा पसरा पड़ा रहा। कई दुकानों को एक साथ सीज कर सीलबंद किया गया गया। नगर निगम की इस कार्रवाई को लेकर व्यापारियों में हडक़ंप मच हुआ है। वे इसके लिए रास्ता खोजने में अब जुटे है ताकि कार्रवाई से बचा जा सकें। एमजीएच रोड पर आई एक प्रतिष्ठित स्कूल के आस पास कई दुकानों को सीज किया गया है। इस लाखों का यूडी टैक्स बकाया जाता है। जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह तक लगभग 80 से अधिक दुकानें और एक स्कूल को सीज किया गया है। सुबह जब व्यापारी अपनी दुकानें खोलने पहुंचे तब दुकानों पर नोटिस ओर सील चपडी मिली। व्यापारियों में निगम की इस कार्रवाई को लेकर हडक़ंप का माहौल बना हुआ है। कई व्यापारी तो दुकानों पर ही नहीं पहुंचे, उससे पहले ही दुकानों पर नोटिस और सीलबंद कर दिया गया।

योगा छात्रा को सोशल मीडिया पर परेशान करने वाला गिरफ्तार : उत्तराखंड से पकड़ा आरोपित

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। शहर की भगत की कोठी पुलिस ने योगा छात्रा को सोशल मीडिया पर परेशान , ब्लैकमेल करने और आपत्तिजनक मैसेज भेजने वाले आरोपित को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। आरोपित को आज कोर्ट में पेश किया गया है। उससे मोबाइल इत्यादि बरामद किए जाने है। भगत की कोठी थानाधिकारी राजीव भादू के अनुसार गत दिनों एक युवती की तरफ से रिपोर्ट दी गई थी। इसमें बताया कि वह देहरादून- उत्तराखंड में योगा के लिए गई थी। वह पढ़ाई भी करती थी। वहां उसके एक सहपाठी के मित्र द्वारा उसको बाद में लगातार सोशल मीडिया पर तंग और परेशान किया जा रहा है। आरोपित उसे इंस्टाग्राम, मेल आदि पर आपत्तिजनक पोस्ट कर ब्लैकमेल कर रहा था। थानाधिकारी भादू ने बताया कि काफी समय से चल रहे इस क्रम के चलते पीड़िता ने जनवरी में केस दर्ज कराया था। इस पर आरोपित की पहचान की गई। आरोपित उत्तरप्रदेश के बालवा सामली हाल सोनीपत हरियाणा निवासी विनीत चौहान को पकड़ा गया है। उससे मोबाइल आदि जब्त किए जाने है। अग्रिम पड़ताल की जा रही है।

कर्मचारियों ने दिया धरना

लोकतंत्र की शान ; पौड़ी गढ़वाल। विभिन्न मांगों को लेकर मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों ने लोनिवि दुगडडा निर्माण खंड के कार्यालय में मंगलवार को धरना दिया। संघ के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि जल्द समस्याओं का हल नहीं होने पर आंदोलन को उग्र किया जाएगा। आज लोनिवि कार्यालय निर्माण खंड दुगडडा के कार्यालय में धरना देते हुए खंडी अध्यक्ष अजय कुमार, सचिव नीरज गुंसाई ने कहा कि मिनिस्ट्रीयल संवर्ग के पारस्पिक स्थानांतरण नहीं किए जाने और पदोन्नति से वंछित कर्मचारियों की पदोन्नति नहीं होती है तब तक प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने जल्द ही समस्याओं के हल की मांग उठाई। इस मौके पर बुद्धि बल्लभ नौटियाल, बुद्धि लाल, महावीर कठैत, अमित पंत, पवन सिंह रावत, दीपक शाही, सुरेंद्र गोदियाल, अनीता देवी आदि शामिल रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने चलाया सघन अभियान

लोकतंत्र की शान : हरिद्वार। महाशिवरात्रि पर्व को देखते हुए खाद्य सामग्री में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा आयुक्त सचिन कुर्वे और जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर मंगलवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा विभाग ने सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान कई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया और नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिमानंद जोशी ने बताया कि देर रात उपायुक्त गढ़वाल आरएस रावत के नेतृत्व में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन और पवन कुमार की टीम ने इब्राहिमपुर स्थित पनीर एवं दही निर्माण इकाई पुंडीर फैक्ट्री पर छापा मारा। फैक्ट्री बिना फूड लाइसेंस के अवैध रूप से संचालित पाई गई, जिस पर उसे अग्रिम आदेशों तक बंद करा दिया गया। मौके से पनीर और दही के नमूने लेकर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला रुद्रपुर भेजे गए। उन्होंने बताया कि कांवड़ पटरी मार्ग चंडी पुल से चिड़ियापुर तक अस्थाई खाद्य स्टॉलों और भंडारों का निरीक्षण किया गया तथा रेट लिस्ट चस्पा करने, कूड़े के उचित निस्तारण और खाद्य पंजीकरण के निर्देश दिए गए। वहीं इंडस्ट्रियल एरिया में कोल्ड ड्रिंक के दो गोदामों से माजा और फेंटा के नमूने जांच के लिए लिए गए और अनियमितताओं पर नोटिस जारी किए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में पंत द्वीप पार्किंग क्षेत्र में 12 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें तीन को फूड लाइसेंस न होने पर नोटिस दिया गया। एक रेस्टोरेंट से छह एक्सपायरी डेट की कोल्ड ड्रिंक्स जब्त कर मौके पर ही नष्ट कराई गईं।

खनिज का परिवहन करते 8वाहन जप्त प्रकरण दर्ज

लोकतंत्र की शान

सीधी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट सिहावल प्रिया पाठक तथा जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में खनिज-राजस्व-पुलिस के संयुक्त दल द्वारा 9 फरवरी 2026 को अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया। तहसीलदार दिनेश तिवारी, थाना प्रभारी राकेश वैस एवं प्रभारी खनि निरीक्षक शिशिर यादव के नेतृत्व में ग्राम हर्दी, तहसील बहरी में जांच के दौरान एक हाईवा वाहन क्रमांक UP63AT9435 द्वारा गिट्टी तथा मिनी ट्रक टाटा 1216 क्रमांक UP64T5754 द्वारा बोल्डर का बिना वैध अभिवहन पास परिवहन करते हुए पाया गया। दोनों वाहनों को जब्त कर सुरक्षार्थ थाना अमिलिया परिसर में खड़ा कराया गया है। इसके अतिरिक्त ट्रक क्रमांक UP65D2437, हाईवा क्रमांक MP17HH4551, ट्रेलर क्रमांक CG15EG9727 तथा ट्रेलर क्रमांक MP17ZG3727 द्वारा अभिवहन पास में अंकित मात्रा से अधिक खनिज परिवहन किए जाने पर उन्हें भी जब्त कर थाना अमिलिया में खड़ा कराया गया। इसी क्रम में तहसीलदार मड़वास धनुकुमार टोपो, थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल एवं प्रभारी खनि निरीक्षक देवेन्द्र महोबे के नेतृत्व में ग्राम शंकरपुर, भदौरा में टाटा 407 वाहन क्रमांक MP66G0329 द्वारा बिना वैध अभिवहन पास रेत परिवहन करते हुए पाए जाने पर वाहन जब्त कर थाना मड़वास में खड़ा कराया गया। वहीं टाटा 912 वाहन क्रमांक MP53GA4218 द्वारा निर्धारित मात्रा से अधिक रेत परिवहन करने पर वाहन जब्त कर पुलिस चौकी टिकरी में सुरक्षार्थ रखा गया है। उक्त सभी वाहनों एवं संबंधित वाहन स्वामियों/चालकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश अवैध खनिज (उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही हेतु कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। कलेक्टर द्वारा जिला टास्क फोर्स की दैनिक कार्यवाहियों की समीक्षा की जा रही है। जिले में जहां-जहां से खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वहां निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सिरसा: डिजिटल तकनीक में साइबर सुरक्षा बड़ी चुनौती: प्रो. विक्रम सिंह

लोकतंत्र की शान

सिरसा। चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा (सीडीएलयू) के प्रो. विक्रम सिंह ने कहा कि डिजिटल तकनीक के तेजी से बढ़ते उपयोग के साथ साइबर सुरक्षा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जहां जीवन को आसान बना रहा है, वहीं इंटरनेट के दुरुपयोग से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए जागरूकता, सतर्कता और सही डिजिटल आदतें अपनाना अत्यंत आवश्यक है। प्रो. विक्रम मंगलवार को सुरक्षित इंटरनेट दिवस पर सीडीएलयू में जागरूकता कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। प्रो. विक्रम सिंह ने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया पर सोच-समझकर जानकारी साझा करने, मजबूत पासवर्ड अपनाने और ओटीपी व बैंक संबंधी विवरण किसी के साथ साझा न करने का आह्वान किया। जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी रमेश शर्मा ने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए प्रत्येक नागरिक को डिजिटल स्वच्छता के नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने डीपफेक, फिशिंग, ऑनलाइन ठगी और फर्जी लिंक के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी सूचना या संदेश पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म के सुरक्षित उपयोग तथा डेटा गोपनीयता के महत्व के बारे में भी जागरूक किया। इस कार्यशाला में साइबर थाना प्रभारी श्याम सुंदर ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की और एआई कॉन्टेंट के लाभ व नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन डॉ दीपक द्वारा किया गया।

प्रथम वर्ल्ड योगा चैंपियनशिप बेंगलुरु में सीधी का लहराया परचम

» के पी सिंह वर्ल्ड योगा चैंपियनशिप में जीते स्वर्ण पदक

लोकतंत्र की शान

सीधी। शिक्षा जगत में हर्ष की लहर है, शासकीय हाई स्कूल कारवाही के शिक्षक के पी सिंह ने इंटरनेशनल यूनियन योगा फेडरेशन द्वारा आयोजित प्रथम वर्ल्ड योगा चैंपियनशिप में प्रतिभागी के रूप में भाग लेकर स्वर्ण पदक जीतने में सफलता अर्जित की है। कृष्णपाल सिंह शासकीय योग प्रशिक्षित शिक्षक संघ सीधी के अध्यक्ष और ब्लॉक सीधी योग प्रभारी भी हैं। शिक्षकीय कार्य करते हुए,अपने पदीय दायित्वों के साथ योग के लिए समय निकालते हैं। वह युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं कि इस उम्र में भी योग के माध्यम से फिट और तंदुरुस्त रहा जा सकता है और निरंतर अभ्यास से नए कीर्तिमान बनाए जा सकते है। 6 से 8 फरवरी 2026 को IUYF द्वारा आयोजित प्रथम वर्ल्ड योगा चैंपियनशिप बेंगलुरु में भाग लेकर स्विट्जरलैंड, श्रीलंका, वियतनाम,दक्षिण अफ्रीका,भारत के अन्य राज्यों से आए प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए रिदमिक योगा और स्पोर्ट योग में स्वर्ण पदक विजेता बने। योगा एसोसिएशन ऑफ मध्यप्रदेश सचिव एस एस चौहान के नेतृत्व में टीम मध्यप्रदेश ने भाग लिया था। टीम में अन्य सदस्य अमितेश सिंह,अथर्व, आविष्का, आदित्री सिंह, मंदसौर से धर्मेंद्र सिंह ने भी अपना अच्छा प्रदर्शन कर अपने वर्ग में विजेता बने। योगा एसोसिएशन ऑफ मध्यप्रदेश के कोच प्रदीप तिवारी और स्टेट सेक्रेटरी एस एस चौहान ने बताया कि 55 प्लास वर्ग में के पी सिंह बहुत फिट और अच्छे योगी है इनसे सीखने को निरंतर मिलता रहता है। टीम के अन्य सदस्यों को उत्साहित रखते है।इनके द्वार ट्रेडीशन योग स्पोर्ट,आर्टिस्टिक योग में भाग लिए और अपने समक्ष प्रतिभागियों द्वारा अन्य देशों के प्रतिभागियों को कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर स्वर्ण पदक विजेता बने। उनकी इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग सहित जिले के राजनेताओं एवं समाजसेवियों तथा शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

मोहनिया गोदाम में सड़ रहा लाखों का चावल

» शाखा प्रबंधक की लापरवाही से सरकार को लग रही आर्थिक चपत

» जिला प्रबंधक नान ने लिखा महाप्रबंधक गुणवत्ता को पत्र

रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के वेयर हाउसों में जमा चावल साफ सफाई एवं उठाव के आभाव में सड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदार प्रबंधन द्वारा इनके सुरक्षा के उपाय नहीं किए जा रहे हैं। यह हम नहीं कह रहे हैं बल्कि जिला प्रबंधक नान द्वारा 05 फरवरी को महाप्रबंधक गुणवत्ता भोपाल को लिखा गया पत्र बता रहा है। गौरतलब हो कि जिले के वेयर हाउस कार्पोरेशन का कार्य पटरी से उतर चुका है, कारण कि लंबे समय से जिले में पदस्थ वेयर हाउस प्रबंधक सुनील अग्रवाल अब कर्तव्यों के प्रति गम्भीर नहीं दिख रहे हैं, उनके द्वारा जिले के विभिन्न गोदामों में सड़ रहे खाद्यान्नों की सुरक्षा व्यवस्था एवं उनकी साफ सफाई को लेकर तनिक गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है, इतना ही नहीं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सुधार के लिए जो आदेश निर्देश जारी किए जाते है उन्हें भी दरकिनार किया जा रहा है। जबकि विभागीय लापरवाही से 67 लाख रुपए के खाद्यान्न गबन मामले में भी कुछ इसी तरह के तथ्य सामने आए हैं, जिसकी जांच आज भी विभागीय अधिकारियों द्वारा की जा रही है और उसका निराकरण नहीं हो पाया है। अब अगर बात करें मोहनिया न्यू ओम वेयर हाउस की तो यहां से बुरहानपुर भेजा गया 710 बोरी चावल अत्यंत खराब पाया गया है, उसके अलावा अभी भी इसी गोदाम में मौजूद 120.60 मे॰टन चावल भण्डारित है जिसकी हालात भी बेहद खराब है। हैरानी की बात यह है कि इस संबंध में जिला प्रबंधक नान से लेकर भोपाल तक के अधिकारियों द्वारा पत्र शाखा प्रबंधक को लिखा जा चुका है लेकिन आज तक कोई सुधार नहीं किया गया, और विभागीय लापरवाही के चलते न्यू ओम वेयर हाउस मोहनिया में भंडारित 120.60 मे॰टन चावल साफ सफाई के आभाव में दिनों दिन खराब होता जा रहा है।

कलेक्टर से मिले मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष

» हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ पुस्तक एवं शैक्षणिक कैलेंडर का किया गया विमोचन

लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी से मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला सीधी के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय 9 फरवरी को सौजन्य भेंट कर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ दिल्ली के द्वारा हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ पुस्तक एवं शैक्षणिक कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है।जिसका विमोचन कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी से कराया गया। श्री पाण्डेय ने बताया कि कलेक्टर द्वारा बड़े ही उदारता एवं मृदुभाषिता के साथ मुझे बैठाया गया और अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ दिल्ली एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ सीधी के बारे में तथा संघ के कर्तव्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। मेरे द्वारा बताया गया कि यह संगठन राष्ट्रहित, शिक्षा हित, छात्र हित, शिक्षक हित एवं समाज हित में निरंतर कार्य करता चला आ रहा है। पूरे भारतवर्ष में एक साथ सभी विद्यालयों में हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान का शपथ कराया गया। स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी से लेकर सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी तक प्रत्येक विद्यालय में कर्तव्य बोध दिवस मनाने का निर्णय संघ के द्वारा लिया गया। हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ की परिकल्पना के साथ पूरे भारतवर्ष में विद्यालय को तीर्थ बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी प्रकार से अनेक कार्यक्रम जो राष्ट्रहित में हो और शिक्षा हित, छात्र हित में हो चलाए जा रहे हैं। शिक्षकों की लंबित मांगे एवं समस्याओं के बारे में भी बताया गया। कलेक्टर द्वारा प्रसन्नता जाहिर करते हुए सराहना की गई और बहुत ही उदारता के साथ कहा गया की जहां पर मेरी जरूरत होगी मुझे बताया जाए मै पूर्ण सहयोग करुंगा। इसके बाद श्री पाण्डेय अपर कलेक्टर बीपी पाण्डेय, सीईओ जिला पंचायत सीधी शैलेंद्र सिंह सोलंकी, एसडीएम गोपद बनास राकेश शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर प्रियल सिंह जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी सीधी, एसडीएम सिहावल सुश्री प्रिया पाठक, नायब तहसील गिर्द सेमरिया सुश्री एकता शुक्ला एवं जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह से भेंट कर शैक्षणिक कैलेंडर, हमारा विद्यालय हमारा तीर्थ पुस्तक, अभिनंदन पत्र एवं डायरी भेंट किया गया सभी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ दिल्ली एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के द्वारा राष्ट्रहित, शिक्षा हित, छात्र हित, समाज हित एवं शिक्षक हित में किए जा रहे सराहनीय कार्य की प्रशंसा की गई।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी बुधवार को पेश करेंगी राज्य बजट

लोकतंत्र की शान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दीया कुमारी ने मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के राज्य बजट को अंतिम रूप दे दिया है। उपमुख्यमंत्री बुधवार को प्रातः 11 बजे राजस्थान विधानसभा में बजट प्रस्तुत करेंगी। मंगलवार को उपमुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में बजट के अंतिम बिंदुओं पर चर्चा कर उसे स्वीकृति दी गई। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव (वित्त) वैभव गालरिया, शासन सचिव वित्त (व्यय) टीना सोनी, शासन सचिव वित्त (बजट) राजन विशाल, शासन सचिव वित्त (राजस्व) कुमारपाल गौतम तथा निदेशक वित्त (बजट) बृजेश किशोर शर्मा उपस्थित रहे।राज्य के विकास, वित्तीय अनुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं पर केंद्रित इस बजट को लेकर राजनीतिक और आर्थिक हलकों में विशेष रुचि बनी हुई है।

ज्वेलर की चाकू से गोदकर हत्या, बचाने आए दो कारीगर भी गंभीर घायल

लोकतंत्र की शान

नागौर। मेड़ता शहर में देर रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। आधी रात करीब साढ़े बारह बजे दो बदमाशों ने एक सराफा कारोबारी पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। बीच-बचाव करने आए उनके दो कारीगरों को भी बदमाशों ने नहीं छोड़ा और उन्हें भी चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद शहर में दहशत का माहौल है। जैतारण चौकी क्षेत्र निवासी पंकज सोनी (40) की मेड़ता शहर के ब्रह्मपुरी इलाके में सराफा की दुकान है। सोमवार रात पंकज अपनी दुकान में पश्चिम बंगाल निवासी कारीगर संदीप और संजय के साथ बैठे थे। इसी दौरान चाकू लेकर दो बदमाश दुकान में घुसे और अचानक हमला कर दिया। हमले में पंकज सोनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि संदीप और संजय गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अजमेर रेफर किया गया। इस नृशंस हत्या के विरोध में मेड़ता के सराफा कारोबारियों में भारी आक्रोश है। स्वर्णकार समाज व्यापार संघ अध्यक्ष धर्मीचंद सोनी ने बताया कि घटना के विरोध में मंगलवार को सभी सराफा दुकानों को बंद रखने का निर्णय किया गया है। साथ ही प्रशासन से आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की गई है। मेड़ता डीएसपी रामकरण सिंह मलिंडा ने बताया कि हमले के कारणों की जांच की जा रही है।

कलेक्टर के निर्देश अनुसार10 उद्योगों को बंद करने के निर्देश, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सम्मति व नवीनीकरण के बिना संचालित हो रहे ये उद्योग

लोकतंत्र कि शान हसन रस्सी जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी: मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जिले में बिना सम्मति व नवीनीकरण के संचालित 10 उद्योगों को बंद करने के निर्देश जारी किये हैं। पर्यावरण नियमों का पालन नहीं करने वाले औद्योगिक संगठनों एवं फर्मों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश अनुसार पालन करते हुए क्षेत्रीय अधिकारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि मेसर्स विनय लाइम इंडस्ट्री पठरा झुकेही, मेसर्स परोहा स्टोन लाइम कंपनी झुकेही, मेसर्स शिवांश इंडस्ट्री ;पुराना नाम रुद्राक्ष लाइम इंडस्ट्री पडखुरी, मेसर्स शंकरलाल सतेंद्र कुमार जैन मझगवां, मेसर्स इस.बी.एस. रिफ्रैक्ट्री भरौली, मेसर्स चंदन सेरामिक लिगरी, मेसर्स चंदन मिनरल्स एंड रिफ्रैक्ट्री लखापतेरी, मेसर्स बालाजी ट्रेडर्स भरौली, मेसर्स बी.टी. मिनरल्स बड़ागांव, मेसर्स ड्राई टेक प्रोडक्ट पठरा को उद्योग प्रक्रिया बंद करने के निर्देश जारी किए गए है। ये सभी इकाईयां प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की बिना सम्मति एवं नवीनीकरण के संचालित हो रहे थे। नियमानुसार प्रत्येक उद्योग को उत्पादन करने हेतु नियमानुसार बोर्ड से वायु अधिनियम एवं जल अधिनियम के अन्तर्गत बोर्ड से सम्मति तथा सम्मति का अद्यतन नवीनीकरण कराया जाना अनिवार्य है। इन सभी उद्योगों द्वारा पर्यावरणीय अधिनियमों में दिये गये प्रावधानों के अनुरूप सक्षम एवं प्रभावी वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था स्थापित नही की गयी थी। फलस्वरूप आसपास के क्षेत्र में वायु प्रदूषण की स्थिति निर्मित हो रही थी। जो कि पर्यावरणीय अधिनियमों में दिये गये प्रावधानों का उल्लंघन है। इसके आधार पर दोषी पाये गये पहलुओं के विवरण के तहत जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों काउपयोग करते हुए इन सभी 10 इकाईयों को बंद करने के निर्देश जारी किये गये हैं। साथ हीए विद्युत विभाग के अधीक्षण यंत्री को इन सभी इकाईयों के विद्युत कनेक्शन विच्छेदित करने और खनिज एवं उद्योग विभाग को इन फर्मों की समस्त शासकीय सुविधाएं बंद किये जाने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

रूस में भारतीय छात्रों के शोषण के मामले बढ़े

मॉस्को। रूस की एक यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में 7 फरवरी को हुई चाकूबारी की घटना में चार भारतीय छात्र घायल हो गए। इस घटना के बाद रूस में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा और परेशानियों का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। इसी बीच विदेश मंत्रालय के आंकड़ों से एक चौंकाने वाली बात सामने आई है। दुनिया भर में भारतीय छात्रों की तरफ से शोषण, उत्पीड़न और नस्लीय भेदभाव को लेकर की गई शिकायतों में से आधे से ज्यादा मामले सिर्फ रूस से जुड़े हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में 196 देशों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों ने ऐसी करीब 350 शिकायतें दर्ज कराईं। इनमें से 200 से ज्यादा शिकायतें रूस में पढ़ने वाले छात्रों की थीं। पिछले तीन सालों में इन शिकायतों की संख्या लगातार बढ़ी है। साल 2023 में 68 शिकायतें दर्ज हुई थीं। 2024 में यह संख्या बढ़कर 78 हो गई और 2025 में बढ़कर 201 तक पहुंच गई। रूस में पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय मेडिकल छात्र राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु से आते हैं। कम फीस और आसानी से एडमिशन मिलने की वजह से रूस लंबे समय से मेडिकल की पढ़ाई के लिए भारतीय छात्रों की पसंद रहा है। लेकिन अब वहां से लगातार शिकायतें सामने आने लगी हैं, जिससे छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई छात्रों का कहना है कि उन्हें दूसरे देशों के छात्रों की तरफ से अक्सर भेदभाव झेलना पड़ता है। छात्रों का आरोप है कि कई बार यूनिवर्सिटी प्रशासन भी उन्हें मानसिक रूप से परेशान करता है। छोटी-छोटी बातों पर कॉलेज से निकालने की धमकी दी जाती है।

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद- सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर CPI(M) और CPI के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। वीडियो में मुख्यमंत्री एक मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल में सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। निजाम पाशा ने यह भी बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी शिकायत पर FIR दर्ज नहीं की गई है। जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई के लिए तारीख तय करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने CPI(M) और CPI नेताओं की याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। याचिका में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी X हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टार्गेटेड पॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है।

डबरा में कलश बांटते वक्त भगदड़...

डबरा। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले के डबरा में नवग्रह मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कलश यात्रा शुरू होने से पहले भगदड़ मच गई। इसमें 70 वर्षीय महिला रति साहू की मौत हो गई। बच्ची समेत 8 लोग घायल हो गए हैं। इनमें से एक की हालत गंभीर है। ग्वालियर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक भगदड़ तब मची जब कलश यात्रा से पहले कलश बांटे जा रहे थे। इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने अचानक स्टेडियम का गेट खोल दिया, जिससे भीड़ बेकाबू हो गई। महिलाएं एक दूसरे पर गिर गईं। वहीं मृतक महिला की बहू ने बताया कि पुलिसकर्मियों की लापरवाही से हादसा हुआ। भीड़ को कंट्रोल नहीं किया गया। इसी वजह से सास रति साहू को भीड़ कुचलते निकल गई। घायल सास को अस्पताल लेकर गए, तो डॉक्टर्स ने लापरवाही बरती। यहां ऑक्सीजन के लिए मेरी सास 30 मिनट तक तड़पती रही। नवग्रह शक्तिपीठ प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत दोपहर 1 बजे कलश यात्रा प्रस्तावित थी। इसके लिए महिलाओं को सुबह 11 बजे स्टेडियम पहुंचने को कहा गया था, लेकिन सुबह 9 बजे से ही महिलाएं बड़ी संख्या में ग्राउंड पर जुटने लगी थीं। भीड़ लगातार बढ़ती रही, लेकिन एंट्री गेट और अंदरूनी व्यवस्था के लिए पर्याप्त नियंत्रण नहीं किया गया। दावा है कि कलश यात्रा के लिए 1000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी, लेकिन भगदड़ के वक्त लोगों को 2 पुलिसकर्मी ही बचते दिख रहे हैं।

अंडरवियर में छिपाकर लाया था 45 लाख का सोना

अहमदाबाद। कस्टम विभाग ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर दुबई के एक शख्स को 96 लाख रुपए के सोने के साथ पकड़ा है। इस शख्स ने अपने अंडरवियर में 45 लाख का सोना छिपा रखा था। जांच के दौरान व्यक्ति के पास से 24 कैरेट शुद्धता की दो पूरी सोने की छड़ें और एक कटी हुई छड़ भी मिली। ये छड़े उनकी अपनी जेब में रखे पर्स में छिपा रखी थीं। जब्त किए गए 325 ग्राम सोने की अनुमानित बाजार कीमत करीब 52 लाख रुपए आंकी गई है। शख्स की संदिग्ध हरकतों के आधार पर कस्टम विभाग ने इस अनोखे तरीके का पर्दाफाश किया। अधिकारियों ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यह पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है कि यह सोना किसे पहुंचाना था और क्या इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है।

मथुरा में परिवार के 5 लोगों की लाश मिली

मथुरा। मथुरा में एक ही कमरे से एक परिवार के 5 लोगों की लाशें मिलीं। मृतकों में पति, पत्नी और 3 बच्चे शामिल हैं। कमरे में बेड पर मां, एक बेटी-बेटा मिले। दूसरी बेटी चारपाई पर पड़ी थी, जबकि पति का शव फर्श पर मिला। इस मामले में पुलिस की 2 थ्योरी सामने आई हैं। पहली- पति-पत्नी और बच्चों ने दूध में जहर मिलाकर पी लिया। दूसरी- पति ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर बच्चों की जान ली। बाद में खुद करंट लगाकर आत्महत्या कर ली। SSP श्लोक कुमार ने बताया कि घटना का पता उस समय चला, जब सुबह बच्चे दिखाई नहीं दिए। इस पर पड़ोस में रहने वाले मनीष के भाई जयकिशन मौके पर पहुंचे। दरवाजा अंदर से बंद होने की वजह से जयकिशन मेन गेट फांदकर अंदर गए। फिर कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर सभी मृत पड़े मिले। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को 2 सुसाइड नोट और एक वीडियो मिला है। पहला रसोई की दीवार पर लिखा था। इसमें कहा गया- मैं मनीष और सीमा अपनी मर्जी से मरे हैं। पुलिस किसी को परेशान न करे। दूसरा नोट कागज पर मिला, उसमें भी यही बातें लिखी हैं। वहीं, सुसाइड से पहले का एक वीडियो भी सामने आया है।

मणिपुर के उखरुल में पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद

एजेंसी, इंफाल

- उपद्रवियों ने 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर फूंके, जिले में कर्फ्यू लागू

मणिपुर में नई सरकार बनने के एक हफ्ते के भीतर ही हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी। हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद इलाके में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं। हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई थी, जिसमें तांगखुल नागा समुदाय के स्टर्लिंग नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट हुई थी।

लितान में आगजनी के बाद कर्फ्यू: उखरुल जिले के लितान इलाके के आसपास गांवों में उपद्रवियों ने कई घरों में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि हिंसा के दौरान राइफल से गोलियां भी चलाई गईं। इलाके में दहशत फैलने के बाद कर्फ्यू लागू किया गया। स्थिति फिलहाल तनावपूर्ण है, लेकिन भारी सुरक्षा तैनाती के चलते काफी हद तक कंट्रोल में है। तनाव बढ़ने की आशंका के बीच लोगों ने बिना किसी प्रशासनिक मदद के अपने स्तर पर ही घर छोड़ना शुरू कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि लितान थाना पुलिस ने लोगों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की और कानून-व्यवस्था बनाए रखी है। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में बीएसएफ, सीआरपीएफ और असम राइफल्स के जवानों को तैनात किया गया है, जबकि अतिरिक्त सुरक्षा बल भी भेजे गए हैं। इंफाल से करीब 35 किलोमीटर दूर स्थित लितान एक छोटा व्यावसायिक कस्बा है, जहां तांगखुल नागा और कुकी दोनों समुदाय रहते हैं। यह आसपास के गांवों के लिए व्यापारिक केंद्र के रूप में काम करता है।

लितान थाने में जॉइंट कंट्रोल रूम बनाया गया: सुरक्षा और समन्वय के लिए लितान पुलिस स्टेशन में जॉइंट कंट्रोल रूम बनाया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। पुलिस ने बताया कि पिछले 24 घंटों में पूरे राज्य में कानून-व्यवस्था सामान्य रही। संवेदनशील और सीमावर्ती इलाकों में सर्च ऑपरेशन और एरिया डॉमिनेशन जारी हैं। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 115 नाके और चेकपोस्ट लगाए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर जरूरी सामान लदे 306 वाहनों को सुरक्षा काफिले के साथ सुरक्षित पहुंचाया गया।

रूस बोला- भारत पर हमसे तेल नहीं खरीदने का दबाव

- अमेरिका एनर्जी सप्लाई पर कंट्रोल चाहता है, ताकि दुनिया के देश उनसे महंगी गैस खरीदें

एजेंसी, मॉस्को

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह भारत जैसे देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे रूस से सस्ता तेल न खरीदें। लावरोव ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि दुनिया की ऊर्जा सप्लाई उसके कंट्रोल में रहे और देश मजबूर होकर महंगी अमेरिकी गैस खरीदें। उन्होंने यह बातें 9 फरवरी को डिप्लोमैटिक वर्कर्स डे के मौके पर कहीं। लावरोव ने कहा कि अमेरिका ने डॉलर को हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। रूस की विदेश में रखी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है और रूस के खिलाफ लगातार पाबंदियां लगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ट्रम्प सरकार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात तो करती है, लेकिन जो प्रतिबंध पहले लगाए गए थे, वे अब भी जारी हैं। रूस के मुताबिक, यूक्रेन पर सहमति बनने के बाद भी अमेरिका नए प्रतिबंध लगाता रहा।

भारत समेत BRICS देशों पर रूस से दूरी बनाने का दबाव: रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका भारत और दूसरे BRICS देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस से दूरी बनाएं। रूस की तेल कंपनियों लुकोइल और रोसनेफ्ट पर रोक लगाई गई है और रूस के व्यापार और निवेश को सीमित करने की कोशिश हो रही है। ये सब गलत और अनुचित तरीके हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया अब तेजी से बदल रही है। पहले अमेरिका पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और पैसों के सिस्टम पर हावी था और डॉलर के जरिए अपनी ताकत दिखाता था, लेकिन अब उसकी पकड़ कमजोर हो रही है। वहीं चीन, भारत और ब्राजील जैसे देश तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अफ्रीका के देश भी अब सिर्फ कच्चा माल बेचने के बजाय अपने यहां इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं।

योगी बोले- बाबरी ढांचा कयामत के दिन तक नहीं बनेगा

- जो कानून तोड़ेगा उसे जहन्नुम मिलेगा, कायदे से रहना सीख लो

एजेंसी, बाराबंकी

कयामत की रात कभी नहीं आएगी, इसलिए बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण कभी संभव नहीं है। जो लोग कयामत के दिन का सपना देख रहे हैं, वे ऐसे ही सड़-गल जाएंगे। ऐसे लोगों से कहना चाहेंगे कि कयामत के दिन के लिए मत जियो। हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो, क्योंकि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। जो कानून तोड़ेगा, वो सीधे जहन्नुम में जाएगा। यह बात सीएम योगी ने मंगलवार को बाराबंकी में कही। उन्होंने कहा- ये डबल इंजन की सरकार है। हम लोगों ने कहा था ना, रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। बन गया न मंदिर। कोई संदेह है। राम को भूल जाते हैं, इसलिए भगवान राम भी उनको भूल चुके हैं। अब उनकी नैया कभी पार नहीं होगी। उन्हें कभी आगे नहीं बढ़ना। रामद्रोहियों के लिए अब कोई जगह नहीं। जो रामभक्तों पर गोली चला रहे थे, अब इन लोगों के लिए कोई जगह नहीं। राम सबके हैं, इसमें भेद नहीं। कुछ अवसरवादी राम को भूल जाते हैं।

2017 से पहले कोई सुरक्षित नहीं था: योगी बाराबंकी में श्री हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्रीरामार्चा पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। यज्ञ मंडप में आहुति दी। इस दौरान संत बलराम दास ने मखाने और लावा की माला पहनाकर योगी का स्वागत किया। इसके बाद योगी ने कहा- हम सब भारतीय एक भारत श्रेष्ठ भारत का निर्माण करें। 2017 से पहले कोई सुरक्षित नहीं था।

शबाना महमूद ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री बन सकती हैं, कश्मीर मूल की हैं

एजेंसी, लंदन

- एपस्टीन फाइल्स विवाद से पीएम स्टार्मर की कुर्सी खतरे में

मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था। मैकस्वीनी ने भी माना है कि यह नियुक्ति गलत थी।

स्टार्मर को चुनौती देने के लिए 20% सदस्यों का समर्थन जरूरी: लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर कोई कीर स्टार्मर के खिलाफ चुनौती देना चाहता है, तो इसके लिए कुछ सख्त शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कि चुनौती देने वाले उम्मीदवार को पार्टी के संसदीय सदस्यों से कम से कम 20% का समर्थन हासिल करना जरूरी है। यह नियम 2021 में पार्टी कॉन्फ्रेंस में बदलाव के बाद लागू हुआ था। पहले यह सीमा सिर्फ 10% थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 20% कर दिया गया है ताकि कोई भी आसानी से लीडरशिप चुनौती न दे सके और पार्टी में स्थिरता बनी रहे। अभी लेबर पार्टी के कुल सांसदों की संख्या लगभग 404-405 के आसपास है, इसलिए किसी भी चुनौती को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम 81 लेबर सांसदों का लिखित समर्थन जुटाना पड़ता है। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच होम मिनिल्टर शबाना महमूद को उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा है। 45 साल की शबाना महमूद पहले न्याय मंत्री और लॉर्ड चांसलर रह चुकी हैं।

शबाना महमूद ब्रिटेन की पहली महिला मुस्लिम सांसदों में शामिल: बर्मिंघम में पाकिस्तानी माता-पिता के यहां जन्मी शबाना महमूद ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की है। वह पेशे से बैरिस्टर हैं। 2010 में रुशानारा अली और यास्मिन कुरैशी के साथ वह ब्रिटेन की पहली महिला मुस्लिम सांसदों में शामिल हुईं। लेबर पार्टी में वे कीर स्टार्मर की करीबी सहयोगी मानी जाती हैं और पार्टी के दक्षिणपंथी (राइट-विंग) गुट से जुड़ी हैं। वे इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों पर काफी सख्त रवैया रखती हैं और कहती हैं कि ब्रिटेन में रहना एक विशेषाधिकार है। 2010 में संसद पहुंचने के कुछ ही महीनों बाद उन्हें पार्टी की अहम जिम्मेदारी दे दी गई थी। बाद में वह लेबर पार्टी की राष्ट्रीय चुनाव अभियान की जिम्मेदार बनीं और पार्टी की चुनावी रणनीति में उनकी बड़ी भूमिका रही।

मैकस्वीनी के बाद स्टार्मर पर पद छोड़ने का दबाव: मैकस्वीनी को स्टार्मर का सबसे मजबूत सहारा माना जाता था। उन्हें प्रधानमंत्री का 'दिमाग' कहा जाता है और सत्ता तक पहुंचाने में उनकी बड़ी भूमिका रही। उनके जाने के बाद लेबर पार्टी के सांसद पूछ रहे हैं कि अब स्टार्मर कितने दिन टिक पाएंगे। पार्टी के वामपंथी धड़े ने सीधे प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग कर दी है। सांसद ब्रायन लीशमैन ने कहा कि पार्टी की दिशा बदलनी है और इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री से होनी चाहिए। सांसद किम जॉनसन ने माना कि स्टार्मर के लिए हालात संभालना मुश्किल हो गया है।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश, 118 सांसदों के दस्तखत

एजेंसी, नई दिल्ली

- 2 बार स्थगन के बाद लोकसभा में बजट पर चर्चा शुरू

विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश कर दिया। इसमें 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। बजट सत्र के 10वें दिन मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल में कार्यवाही नहीं हो सकी। 11 बजे सदन शुरू होते ही विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। महज 1 मिनट बाद चेयर पर मौजूद पीसी मोहन 12 बजे तक के लिए सदन स्थगित कर दिया। दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई। इस बीच भी विपक्ष का हंगामा जारी रहा। सांसद वी वॉन्ट जस्टिस के नारे लगाते रहे। इसके बाद सदन 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। हंगामे के बीच संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी सांसदों से हाथ जोड़कर कहा कि बजट पर चर्चा होने दें। इससे हम सबका नुकसान हो रहा है। आप रोज आकर हंगामा करते हैं। ऐसे में काम नहीं हो पा रहा। दोपहर 2 बजे कार्यवाही शुरू हुई। स्पीकर की चेयर पर ओम बिरला की जगह केपी तेनेट्टी आए। उन्होंने विपक्ष से शशि थरूर को आम बजट पर चर्चा शुरू करने के लिए कहा। इससे पहले लोकसभा के बाहर बुक कॉन्ट्रोवर्सी पर राहुल गांधी ने कहा कि या तो पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं या फिर पेंगुइन। राहुल ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि नरवणे झूठ नहीं बोलेंगे।'

पेंगुइन का दावा- नरवणे की किताब पब्लिश नहीं हुई, इसका कोई हिस्सा सार्वजनिक नहीं किया

एजेंसी, नई दिल्ली

- राहुल बोले- कंपनी झूठ बोल रही या नरवणे

पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी (Four Stars of Destiny)' पर पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि किताब अभी तक प्रकाशित नहीं हुई। इसका कोई हिस्सा सार्वजनिक नहीं किया गया। कंपनी ने कहा कि पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं। अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई कॉपी आई है और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है। इसके जवाब में राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा- या तो नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन कंपनी। दरअसल, कंपनी की सफाई इसलिए आई क्योंकि किताब की अनऑथराइज्ड कॉपियों के लीक और ऑनलाइन सर्कुलेशन का दावा सामने आया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने FIR भी दर्ज की है। यह कार्रवाई अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन न्यूज फोरम पर मिली जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें दावा किया गया था कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी सर्कुलेट हो रही है।

राहुल बोले- कंपनी या आर्मी चीफ झूठ बोल रहे: राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के बाहर कहा- एमएम नरवणे ने X पर पोस्ट किया है, 'हेलो दोस्तों, मेरी किताब अब अवेलेबल है। लिंक फॉलो करें। हैप्पी रीडिंग'। या तो एमएम नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन झूठ बोल रहा है। मैंने आर्मी चीफ पर विश्वास करना चुना। उन्होंने आगे कहा कि क्या आप एमएम नरवणे के बजाय पेंगुइन पर विश्वास करेंगे? किताब में कुछ ऐसी बातें हैं जो सरकार के लिए असुविधाजनक हैं।

कांग्रेस का दावा- कंपनी ने दबाव में पोस्ट डिलीट किया: कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने X पर लिखा कि पेंगुइन इंडिया ने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया है, जाहिर है वे भारी दबाव में हैं। पेंगुइन ने जो उचित समझा वो किय, लेकिन चीफ अभी भी सच्चाई के साथ खड़े हैं।

जयपुर में लापता हुए जापानी टूरिस्ट टोकियो पहुंचे, दिल्ली से टैक्सी में आए थे

- बैग छोड़कर मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट में गए, इसके बाद गायब हो गए

एजेंसी, जयपुर

जयपुर से लापता दोनों जापानी टूरिस्ट का पता चल गया है। दोनों 8 फरवरी को दिल्ली एयरपोर्ट से टोकियो (जापान) चले गए। इससे पहले जयपुर में दोनों पर्यटक 7 फरवरी को टैक्सी ड्राइवर को खाना खाने की कहकर मैकडॉनल्ड्स रेस्टोरेंट गए थे। बैग टैक्सी में ही थे। टूरिस्ट को दिल्ली से जयपुर घुमाने लाए टैक्सी ड्राइवर ने अशोक नगर पुलिस स्टेशन में दोनों के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। जानकारी के अनुसार दोनों तीन दिन पहले ही इंडिया आए थे। SHO अशोक नगर मोतीलाल शर्मा ने बताया कि लापता हुए दोनों जापानी पर्यटक मिल गए हैं। जयपुर में लापता होने के बाद जापान के दूतावास से संपर्क किया गया। वहां के दूतावास से जानकारी आई कि दोनों टूरिस्ट वीजा पर भारत गए थे, वे 8 फरवरी को दिल्ली एयरपोर्ट से टोकियो पहुंच गए। एसएचओ मोतीलाल शर्मा जानकारी दी कि टैक्सी ड्राइवर पिकेंद्र कुमार ने बताया- 6 फरवरी को दोनों जापानी पर्यटक (हिबिक्की शिब्बा और युमा) टूरिस्ट वीजा पर दिल्ली आए थे।

तरनतारन मर्डर, मां बोली- बेटी ने पिता की इज्जत रखी

एजेंसी, तरनतारन

- प्रपोज डे पर भी प्रपोजल ठुकराया तो गोली मारी, पहले भी धमकाता था, हमने बचपना समझा

पंजाब के तरनतारन के लॉ कॉलेज में छात्रा संदीप कौर के सिर में गोली मारकर हत्या करने के मामले में उसकी मां ने कुछ नए खुलासे किए हैं। मां हरजिंदर कौर का कहना है कि आरोपी युवक प्रिंसराज सिंह लंबे समय से बेटी को परेशान कर रहा था। संदीप की सहेली भी उसे बार-बार फोन करती थी। मां ने कहा- वेलेंटाइन वीक में 8 फरवरी को प्रपोज डे पर प्रिंस ने संदीप को प्रपोज किया था, लेकिन संदीप ने इनकार कर दिया। मेरी बेटी अपने पिता की इज्जत और मान-सम्मान बनाए रखना चाहती थी। इसके बाद अगले दिन संदीप की सहेली इन दोनों के बीच सुलह कराने की कोशिश कर रही थी। अंतिम समय में वह संदीप और प्रिंस के साथ क्लासरूम में ही थी। जब संदीप ने वहां भी बात नहीं मानी तो प्रिंस ने उसी समय संदीप के सिर में गोली मारी। फिर खुद भी गोली मार ली। पुलिस जांच में ये भी पता चला है कि आरोपी ने पहले भी संदीप को गोली मारने की धमकी दी थी। परिवार को भी इसका पता था लेकिन उन्होंने इसे आरोपी का बचपना समझा और पुलिस को शिकायत नहीं की। अगर ऐसा होता तो शायद संदीप आज जिंदा हो सकती थी। संदीप की क्लासमेट्स ने बताया कि प्रिंस उसके लिए सनकी हो चुका था। वह अक्सर क्लासरूम में कहता था कि वह संदीप कौर की शादी किसी और से नहीं होने देगा। खास तौर पर सगाई के बाद वह ज्यादा गुस्से में ये बात कहता रहता था। बता दें कि सोमवार सुबह लॉ कॉलेज में छात्रा संदीप कौर को क्लासरूम में उसके क्लासमेट प्रिंसराज ने गोली मारी। इसके तुरंत बाद ही खुद की कनपटी पर पिस्टल रखकर गोली चला दी। इस घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया। कल (9 फरवरी) को पुलिस की शुरुआती जांच और मौके के हालात के बाद आरोपी लड़के की भी मौत हो जाने की बात कही गई थी। हालांकि जब उसे अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टरों ने जांच के बाद कहा कि उसकी सांसें चल रही हैं। उसके बाद अमृतसर के गुरुनानक अस्पताल में ICU में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि अगर गोली उसके ब्रेन में लगी हो तो बचना मुश्किल है लेकिन अगर छूकर निकली तो जान बच सकती है। उसके सिर की एक्सरे और CT स्कैन कराया गया है। उनकी डिटेल्ड रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

विज़न 2047 विकसित भारत- तीव्र विकास-ट्री प्रोटेक्शन एक्ट 2026:समय की अनिवार्य आवश्यकता -पर्यावरणीय संतुलन की वैश्विक चुनौती एक समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- 2047 के तेज़ विकास पथ पर चलते भारत के लिए अब विकास बनाम पर्यावरण नहीं, बल्कि विकास के साथ पर्यावरण का मॉडल अपनाना अनिवार्य हो गया है
- मौजूदा वन कानून और पर्यावरणीय स्वीकृति प्रक्रियाएँ अपर्याप्त हैं?एक सख्त, स्पष्ट और जवाबदेह ट्रीप्रोटेक्शन एक्ट 2026 की आवश्यकता है, जो विशेष रूप से वृक्षों की सुरक्षा पर केंद्रित हो -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत जब स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करने की ओर बढ़ रहा है,तब विजन 2047 के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को अभूतपूर्व गति दी जा रही है। एक्सप्रेसवे, रेलवे कॉरिडोर, औद्योगिक क्लस्टर,स्मार्ट सिटी, सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाएँ हर क्षेत्र में निर्माण कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन इस तेज़ विकास की कीमत अक्सर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, प्राकृतिक पारिस्थितिकी के विघटन और मानव जीवन पर पड़ने वाले दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के रूप में चुकानी पड़ रही है।इसी तेज़ विकास की दौड़ में यदि प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर वृक्षों और जैव विविधता कीअनदेखी की जाती है,तो यह विकास दीर्घकाल में आत्मघाती सिद्ध हो सकता है।विश्व स्तर पर यह स्वीकार किया जा चुका है कि विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक पुरानी और असफल सोच है; आज आवश्यकता है संतुलन, सह- अस्तित्व और उत्तरदायी नीति निर्माण की।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में,जहाँ जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पहले से ही स्पष्ट हैं अत्यधिक गर्मी,सूखा, बाढ़ और मरुस्थलीकरण, वहाँ वृक्षों की कटाई केवल पर्यावरणीय क्षति नहीं, बल्कि मानव जीवन, आजीविका और सामाजिक स्थिरता पर सीधा प्रहार है।इस संदर्भ में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि मौजूदा वन कानून, पर्यावरणीय स्वीकृति और क्षतिपूरक वनीकरण की व्यवस्थाएँ ज़मीनी स्तर पर पर्याप्त प्रभावी सिद्ध नहीं हो रहीं।सवाल सिर्फ पेड़ों का नहीं, पेड़ केवल लकड़ी या बाधा नहीं हैं,वे जलवायु संतुलन,भूजल संरक्षण,जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य के मूल स्तंभ हैं।जब सड़क या परियोजना के नाम पर हजारों पेड़ काटे जाते हैं, तो उसका प्रभाव केवल स्थानीय नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर पड़ता है। हीटवेव,जल संकट रेगिस्तानीकरण और जैव विविधता का क्षरण,ये सभी उसी असंतुलित विकास की देन हैं।यही कारण है कि ट्री प्रोटेक्शन एक्ट 2026 जैसी सशक्त और समर्पित विधायी पहल अब समय की अनिवार्य माँग बन चुकी है।अब यह स्पष्ट हो चुका है कि मौजूदा वन कानून और पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रक्रियाएँ पर्याप्त नहीं हैं। इसलिए एक सख्त, स्पष्ट और जवाबदेह ट्री प्रोटेक्शन एक्ट 2026 की आवश्यकता है, जोःबिना वैकल्पिक योजना के पेड़ कटाई को दंडनीय अपराध घोषित करे,हर बड़े विकास प्रोजेक्ट में ट्री ऑडिट और ट्री इम्पैक्ट असेसमेंट अनिवार्य बनाए एक पेड़ काटो = दस पेड़ लगाओ से आगे बढ़कर पेड़ के जीवित रहने की कानूनी जिम्मेदारी तय करे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में हेरिटेज और देशी वृक्षों को विशेष संरक्षण दे स्थानीय समुदायों और ग्राम सभाओं को निर्णय प्रक्रिया में भागीदार बनाए, पश्चिमी राजस्थान और खेजड़ीः विकास के सामने प्रकृति की संभवततः आवाज़ है। साथियों बात अगर हम पश्चिमी राजस्थान का खेजड़ी बचाओ आंदोलनः विकास बनाम जीवन का सवाल इसको समझने की करें तो,पश्चिमी राजस्थान, विशेषकर बीकानेर और थार मरुस्थल क्षेत्र,में सोलर परियोजनाओं के लिए हो रही खेजड़ी के पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या नवीकरणीय ऊर्जा के नाम पर भी प्रकृति के

साथ अन्याय स्वीकार्य है। सोलर ऊर्जा निस्संदेह स्वच्छ और भविष्य की ऊर्जा है,किंतु यदि इसके लिए स्थानीय पारिस्थितिकी पारंपरिक ज्ञान और जीवनदायी वृक्षों को नष्ट किया जाए,तो यह हरित विकास नहीं बल्कि हरित विडंबना कहला सकता है,इसी पृष्ठभूमि में खेजड़ी बचाओ आंदोलन ने जन्म लिया, जो अब केवल एक स्थानीय विरोध नहीं,बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणीय चेतना का प्रतीक बनता जा रहा है। यह आंदोलन बताता है कि विकास परियोजनाएँ केवल आंकड़ों और मेगावाट में नहीं आँकी जा सकतीं;उन्हें मानव, संस्कृति औरप्रकृति के साथ उनके संबंधों के संदर्भ में भी परखा जाना चाहिए।सोलर प्रोजेक्ट्स और पर्यावरणीय विरोधाभास यह एक बढ़ीविडंबना है कि जिन सोलर प्रोजेक्ट्स को जलवायु परिवर्तन के समाधान के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, वही यदि स्थानीय पर्यावरण को नष्ट करें, तो उनका नैतिक आधार कमजोर हो जाता है।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब यह स्वीकार किया जा रहा है कि रिन्यूअबले एनर्जी प्रोजेक्ट्स को भी इंविरोंमेन्टल एंड सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट के कठोर मानकों से गुजरना चाहिए।पश्चिमी राजस्थान का आंदोलन इसी वैश्विक विमर्श का हिस्सा है, जो यह सवाल उठाता है कि क्या ग्रीन एनर्जी के नाम पर ग्रीन कवर को खत्म किया जा सकता है? साथियों बात अगर हम 1730 का खेजड़ली बलिदानः विश्व के शुरुआती पर्यावरण आंदोलनों में एक अमर अध्याय इसको समझने की करें तो,खेजड़ी बचाओ आंदोलन की आत्मा 1730 के खेजड़ली बलिदान में निहित है, जहाँ अमृता देवी बिश्नोई के नेतृत्व में 363 लोगों ने खेजड़ी के पेड़ों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे।उनका अमर वाक्य सिर सांटे रूंख रहे, तो भी सस्तो जाण आज भी पर्यावरणीय संघर्षों के लिए प्रेरणास्रोत है।यह घटना केवल भारतीय इतिहास का नहीं,बल्कि वैश्विक पर्यावरण आंदोलन के इतिहास का भी एक मील का पत्थर है। इसे दुनिया के सबसे शुरुआती संगठित पर्यावरण आंदोलनों में गिना जाता है और 1970 के दशक के चिपको आंदोलन की वैचारिक प्रेरणा माना जाता है। खेजड़ली का यह बलिदान बताता है कि जब राज्य सत्ता और संसाधन-दोहन आमने-सामने हों, तब नैतिक साहस और सामुदायिक एकजुटता इतिहास की दिशा बदल सकती है।खेजड़ीः केवल एक पेड़ नहीं, मरुस्थल की जीवनरेखाखेजड़ी पश्चिमी राजस्थान की पारिस्थितिकी का आधार है। यह पेड़ न केवल मिट्टी के कटाव को रोकता है, बल्कि भूजल संरक्षण, पशुपालन, कृषि और जैव विविधता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सूखे और कठोर जलवायु में भी खेजड़ी जीवन का संबल है। यही कारण है कि इसे राजस्थान का राज्य वृक्ष घोषित किया गया है।अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण अध्ययन बताते हैं कि शुष्क और अर्ध- शुष्क क्षेत्रों में ऐसे देशज वृक्षों की कटाई मरुस्थलीकरण को तेज़ करती है, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और गहरे होते हैं।इसलिए खेजड़ी की रक्षा केवल स्थानीय या सांस्कृतिक मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक पर्यावरणीय जिम्मेदारी भी है। साथियों बातें अगर हम ट्री प्रोटेक्शन एक्ट 2026: समय की अनिवार्य आवश्यकता को समझने की करें तो अब यह स्पष्ट हो चुका है कि मौजूदा वन कानून और पर्यावरणीय स्वीकृति प्रक्रियाएँ पर्याप्त नहीं हैं। इसलिए एक सख्त, स्पष्ट और जवाबदेह ट्री प्रोटेक्शन एक्ट 2026 की आवश्यकता है, जो विशेष रूप से वृक्षों की सुरक्षा पर केंद्रित हो। इस प्रस्तावित कानून के अंतर्गतःएक बिना वैकल्पिक योजना के पेड़ कटाई को दंडनीय अपराध घोषित किया जाए।हर कटे हुए पेड़ के बदले उससे अधिक संख्या में, उसी पारिस्थितिकी क्षेत्र में वृक्षारोपण अनिवार्य हो।केवल रोपण नहीं, बल्कि पेड़ों के जीवित रहने की कानूनी जिम्मेदारी तय की जाए।स्थानीय समुदायों को निर्णय-प्रक्रिया में वैधानिक भागीदारी दी जाए।परियोजना स्वीकृति में सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को भी मानदंड बनाया जाए।यह कानून विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध हो सकता है।लोकतंत्र, सहभागिता और पर्यावरणीय न्यायखेजड़ी बचाओ आंदोलन यह स्पष्ट करता है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी नीति का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सहभागिता का प्रश्न है। जब स्थानीय समुदाय, किसान, महिलाएँ और युवा एकजुट होकर प्रकृति के लिए खड़े होते हैं, तब वह आंदोलन केवल विरोध नहीं, बल्कि सतत विकास का जीवंत मॉडल बन जाता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय स्तरपर इसको समझने की करें तो अब एनवायरमेंटल डेमोक्रेसी की अवधारणा को महत्व दिया जा रहा है,जिसमें जनता को प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े निर्णयों में निर्णायक भूमिका मिलती है। पश्चिमी राजस्थान का यह आंदोलन इसी वैश्विक सोच का भारतीय संस्करण है।भारत का भविष्य केवल चौड़ी सड़कों और ऊँची इमारतों से नहीं, बल्कि जीवित नदियों, सुरक्षित जंगलों और संरक्षित पेड़ों से तय होगा।अब समय आ गया है कि ट्री प्रोटेक्शन एक्ट 2026 जैसे सशक्त कानून के माध्यम से विकास और पर्यावरण के बीच वास्तविक संतुलन स्थापित किया जाए। क्योंकि पेड़ बचेंगे तभी जीवन बचेगा, और जीवन बचेगा तभी विकास टिकाऊ होगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विकास का भविष्य संतुलन में है,बलिदान में नहीं,विजन 2047 का भारत तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब उसकी प्रगति प्रकृति के विनाश पर नहीं,बल्कि उसके संरक्षण पर आधारित होगी। खेजड़ी बचाओ आंदोलन हमें याद दिलाता है कि विकास का रास्ता पेड़ों को काटकर नहीं, बल्कि उन्हें बचाकर भी बनाया जा सकता है।अब समय आ गया है कि नीति-निर्माता, उद्योग और समाज मिलकर यह स्वीकार करें कि वृक्ष केवल बाधा नहीं, बल्कि भविष्य की नींव हैं। ट्री प्रोटेक्शन एक्ट 2026 केवल एक कानून नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी का प्रतीक होना चाहिए।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय
लेखक चिंतक कवि संगीत
माध्यमा सीए(एटीसी)
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र
9226229318

पं दीनदयाल उपाध्यायः राष्ट्र के कल्याण का समूचा दर्शन

लेखक- हेमेन्द्र क्षीरसागर

भारत के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले पं दीनदयाल उपाध्याय, कुशल संगठक, बौद्धिक चिंतक और भारत निर्माण के स्वप्नदृष्टा के रूप में आज तलक कालजयी हैं। माता रामप्यारी और पिता भगवती प्रसाद उपाध्याय के घर 25 सितम्बर 1916 को मथुरा जिले के नगला चन्द्रभान ग्राम में जन्मे पं दीनदयाल उपाध्याय हम सबके प्रेरणास्रोत और मातृभूमि के सच्चे उपासक थे। उन्होंने व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास और कल्याण का समूचा दर्शन दिया। अपनी संस्कृति, संस्कारों, परंपराओं, जीवन मूल्यों के आधार पर देश निर्माण का विचार दिया। विश्व के विकास और कल्याण की सभी संभावनाएं उनके द्वारा दिए गए एकात्म मानव दर्शन में है। जिसकी प्रासंगिकता मानकर सारा विश्व इस मानवीय सिद्धांत पर शोध कर रहा है। ताकि एक मामूली से कद काठी के व्यक्ति ने इतना मार्मिक और सारगर्भित विमर्श समय रहते कैसा उद्वेलित कर दिया।

एकात्म मानववाद दर्शन- पं दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन भारतीय चिंतन की दो अवधारणा पर आधारित है। पहली वसुधैव कुटुंबकम् का सिद्धांत और दूसरी चार पुरुषार्थ। उन्होंने शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा की आवश्यकता की पूर्ति के लिए उसके विकास के लिए चार पुरुषार्थ की अवधारणा को स्पष्ट किया। उनका मानना था कि व्यक्ति में प्रतिभा भी है और उसकी आवश्यकताएं भी है लेकिन उसका मन व्यापक होता है। वह भ्रमित हो सकता है। मनुष्य सकारात्मक दिशा में बड़े इसके लिए मन का संतुलन और अनुशासन जरूरी है। यह बुद्धि और विवेक से ही संभव है। इसके लिए चार पुरुषार्थ आवश्यक है इनमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का समावेश है। यदि चार पुरुषार्थ की मर्यादा में व्यक्ति को उसके विकास के सभी अवसर प्रदान किए जाए तो संसार इस श्रेष्ठ स्वरूप को प्राप्त कर सकता है इसकी कल्पना वेदों में है। यह पूर्ण यानी एकात्म मानव की कल्पना है जिसे पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानववाद दर्शन के रूप में दिया। जो सारे जगत में अलौकिक है।

मानवधर्मी दीनबंधु दीनदयाल- पंडित जी के अनछूए जीवन प्रेरक प्रसंग प्रेरणापुंज हैं। सतुत्य, किशोरावस्था में एक बार सब्जी बाजार गए और सब्जी बेचने वाली वृद्धा को चवन्नी का भुगतान कर दिया। घर लौटते समय उन्होंने जेब टटोली, तो देखा कि वह वृद्धा को खूंटी चवन्नी दे आए हैं। उनका मन इतना दुखी और द्रवित हो गया कि वह दौड़ते हुए उस वृद्धा के पास गए और उसे क्षमा प्रार्थना के साथ खूंटी चवन्नी वापस लेकर खरी चवन्नी दे दी। क्रम में मध्यप्रदेश जाने के लिए पं दीनदयाल जी दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर खड़ी गाड़ी के थर्ड क्लास के डिब्बे में बैठ चुके थे। गाड़ी जाने में अभी आधा घंटा शेष था जिसके कारण डिब्बे में बहुत कम यात्री बैठे थे। इसी समय दो औरतें डिब्बे में आई और भीख मांगने लगी। पुलिस के एक सिपाही ने उन्हें देखा और उन्हें गाली देते हुए मारने लगा। पंडित जी कुछ समय तक इस दृश्य को देखते रहे लेकिन अचानक उठ कर उन्होंने पुलिस के सिपाही को पीटने से रोकने का प्रयत्न किया। पुलिस के सिपाही ने अभद्रता से कहा- यह औरतें चोर हैं और यह तुम्हें तुम्हें परेशानी में डाल सकती हैं। जाओ और अपनी सीट पर बैठो यह मेरा काम है और उसे करने में दखल मत दो। पंडित जी यह वाक्य सुनते ही क्रोधित हो उठे। शायद जीवन में पहली और अंतिम बार वे इस क्रोधावेश में दिखे थे। उन्होंने पुलिस के सिपाही का हाथ पकड़ते हुए कहा- मैं देखता हूं कि तुम उन्हें कैसे मारते हो। अदालत उन्हें उनके और सामाजिक कार्यों के लिए दंड दे सकती है लेकिन एक स्त्री के साथ अभद्र व्यवहार को देखना मेरे लिए असहनीय है। पुलिस के सिपाही ने अपनी ड्यूटी को माना और क्षमा की प्रार्थना की। ऐसे एक अबला की रक्षा करने वाले मानवस्पर्शी, संवेदनशील मानवधर्मी थे दीनबंधु दीनदयाल।

कार्य कुशलता समर्पण- आज राष्ट्रवाद का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उसके नींव डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पंडित जी के साथ मिलकर दशकों पहले रखी थी। उन्होंने अपना जीवन देश को समर्पित कर दिया। कार्य कुशलता समर्पण को देखकर डॉक्टर मुखर्जी ने कहा था कि यदि मुझे दो दीनदयाल मिल जाते तो मैं पूरे हिंदुस्तान को बदल देता। वह अंतिम व्यक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का विकास चाहते थे। एक चौपाई बोलते थे परहिस सरिस धर्म नाहिं भाई... दूसरों की भलाई करने से बड़ा कोई धर्म नहीं होता।

धार्मिक स्थलों की पूजा सामग्री के सदुपयोग पर कार्य हो

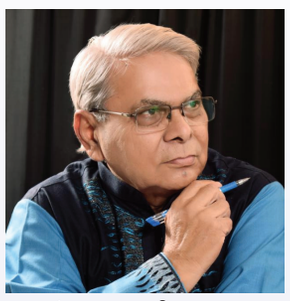

अशोक मधुप : वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय मंदिरों में पूजा-पाठ के दौरान अर्पित किए जाने वाले पुष्प, नारियल आदि सामान न केवल हमारी गहरी आस्था का प्रतीक हैं। बल्की हमारे लिए वह सम्माननीय हैं। देखने में आता रहा है कि पूजन के बाद मंदिर प्रबंधन द्वारा इन्हें इधर – उधार फिंकवा दिया जाता है। कई जगह ये सड़कों के किनारे पड़े सड़ते रहते हैं। जहां नदियां हैं , वहां नदियों में डाल दिए जाते हैं। नदियों में डाल दिए जाने से वे प्रदूषित होती रहती हैं। भगवान को श्रद्धा से चढ़ाई सामग्री का ये दुर्गति देख अच्छा नही लगता। ये सामग्री थोड़ी- बहुत हो तो प्रबंधन कुछ सोचे भी। रोज कई- कई सौ क्विंटल सामग्री हो जाती है। इसके निस्तारण की बडी समस्या रहती है।ऐसे में प्रबंधन के सामने भी चुनौती होती है कि वह क्या करे? जरूरत है कि इनके सदुपयोग की सोचे। हाल ही में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रोफेसर शांथि सुंदरम और नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आदि नाथ के नेतृत्व में किए गए शोध ने इस दिशा में एक नई क्रांति का सूत्रपात किया है। उन्होंने मंदिरों के अवशेष पुष्पों को 'कचरे' से 'कंचन' में बदलते हुए ऐसी हर्बल औषधियां, सौंदर्य प्रसाधन और जैव ऊर्जा उत्पाद विकसित किए हैं। यह भविष्य की अर्थव्यवस्था और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। भारत में प्रतिवर्ष मंदिरों जैसे धार्मिक स्थलों पर औसतन 80 करोड़ टन (800 मिलियन टन) पुष्प अर्पित किए जाते हैं। एक अनुमान के अनुसार, भारत में प्रतिदिन लगभग 300 मीट्रिक टन फूलों का कचरा निकलता है। अकेले वाराणसी और प्रयागराज जैसे धार्मिक केंद्रों से प्रतिदिन करीब 70 से 100 टन तक पूजन सामग्री और पुष्प अवशेष उत्पन्न होते हैं। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि श्रद्धा के ये पुष्प यदि सही तरीके से प्रबंधित न किए जाएं, तो ये पर्यावरण के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकते हैं। दुर्भाग्यवश, भारत में चढ़ने वाली कुल पूजन सामग्री का एक बहुत बड़ा हिस्सा, जो लगभग 90 प्रतिशत से अधिक है, उचित उपयोग या रीसाइक्लिंग के अभाव में सीधे तौर पर बर्बाद हो जाता है। लोग इन पुष्पों को पवित्र मानते हुए कचरे के डिब्बे में नहीं डालते, बल्कि नदियों (विशेषकर गंगा और यमुना), तालाबों या खुले स्थानों पर विसर्जित कर देते हैं। आंकड़ों के अनुसार, भारत की नदियों में होने वाले कुल प्रदूषण में लगभग 16 प्रतिशत हिस्सेदारी इसी 'धार्मिक कचरे' की है। जब ये फूल पानी में सड़ते हैं, तो इनसे निकलने वाले कीटनाशक और रासायनिक तत्व जलीय जीव-जंतुओं के लिए घातक बन जाते हैं और पानी के ऑक्सीजन स्तर (BOD) को कम कर देते हैं। वर्तमान में केवल पांच से आठ प्रतिशत पुष्प सामग्री का ही वैज्ञानिक या व्यावसायिक रूप से पुनर्चक्रण रिसाइकिल हो पा रहा है। कुछ प्रमुख संस्थाएं और शोधकर्ता अब इन पुष्पों से अगरबत्ती, धूपबत्ती, जैविक खाद (वर्मीकम्पोस्ट) और प्राकृतिक रंग बनाने का कार्य कर रहे हैं। हालांकि, प्रोफेसर शांथि सुंदरम और डॉ. आदि नाथ का शोध इस दायरे को और विस्तृत करता है। उन्होंने इन पुष्पों से उच्च मूल्य वाले उत्पाद जैसे हर्बल सीरम, फेस पैक, एंटी-एजिंग क्रीम और बायो-फ्यूल (जैव ऊर्जा) विकसित करने की दिशा में सफलता प्राप्त की है, जो इस सामग्री के उपयोग की दर को भविष्य में बढ़ा सकते हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय और नेहरू ग्राम भारती के शोधकर्ताओं ने यह सिद्ध किया है कि मंदिरों में चढ़ने वाले गुलाब, गेंदा, गुड़हल और कमल जैसे फूलों में प्रचुर मात्रा में औषधीय गुण मौजूद होते हैं। शोध के अनुसार, इन फूलों से निकाले गए अर्क (सत) का उपयोग ऐसी हर्बल औषधियां बनाने में किया जा रहा है । यह त्वचा रोगों, घावों को भरने और तनाव कम करने में सहायक हैं। गेंदे के फूल में मौजूद ल्यूटिन और कैरोटीनॉयड जैसे तत्वों का उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने वाली दवाओं और एंटीऑक्सीडेंट सप्लीमेंट्स के लिए किया जा सकता है। सौंदर्य प्रसाधनों की दुनिया में यह शोध एक गेम-चेंजर साबित हो रहा है। मंदिरों से एकत्र किए गए फूलों को वैज्ञानिक विधियों से उपचारित कर उनसे टॉक्सिन्स (विषाक्त पदार्थ) हटाए जाते हैं और फिर उनसे प्राकृतिक इत्र, बॉडी लोशन और फेस मास्क तैयार किए जाते हैं। चूंकि ये उत्पाद पूरी तरह रासायनिक मुक्त और प्राकृतिक होते हैं, इसलिए इनकी मांग बाजार में तेजी से बढ़ रही है। यह न केवल सुंदरता निखारने का काम कर रहे हैं, बल्कि सिंथेटिक उत्पादों से होने वाले दुष्प्रभावों को भी कम कर रहे हैं। जैव ऊर्जा के क्षेत्र में भी इन फूलों का उपयोग क्रांतिकारी है। डॉ. आदि नाथ और उनकी टीम ने शोध में पाया कि फूलों के अवशेषों से 'बायो-एथेनॉल' और 'बायो-गैस' का उत्पादन प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। फूलों में मौजूद सेल्यूलोज को किण्वन प्रक्रिया के माध्यम से ऊर्जा में बदला जा सकता है। यह तकनीक न केवल कचरा प्रबंधन का समाधान देती है, बल्कि भविष्य के लिए एक स्वच्छ ईंधन का विकल्प भी प्रदान करती है। इस पूरी प्रक्रिया का एक अत्यंत मानवीय और सामाजिक पक्ष भी है। मंदिर के पुष्पों पर आधारित इस उद्योग ने ग्रामीण महिलाओं और स्थानीय कारीगरों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। जब शोध संस्थानों की तकनीक को धरातल पर उतारा जाता है, तो स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हजारों महिलाओं को इन फूलों को इकट्ठा करने, सुखाने और उत्पाद बनाने के कार्य में लगाया जाता है। इससे न केवल पर्यावरण स्वच्छ हो रहा है, बल्कि 'वेस्ट टू वेल्थ' (अपशिष्ट से धन) के मंत्र के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही है। प्रोफेसर शांथि सुंदरम और डॉ. आदि नाथ जैसे वैज्ञानिकों का यह प्रयास हमें यह बताता है कि श्रद्धा के फूल केवल विसर्जन के लिए नहीं, बल्कि सृजन के लिए भी हैं। यदि हम तकनीक और आस्था का सही संतुलन बना लें, तो मंदिरों से निकलने वाला यह 'पुष्प अवशेष' हमारे स्वास्थ्य, सौंदर्य और ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने वाला एक अक्षय संसाधन बन सकता है। यह पहल न केवल हमारी नदियों को प्रदूषण से बचाएगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महकती हुई मिसाल पेश करेगी। सरकारी स्तर से इसके लिए शोध हों। दकिये गए शोध और उत्पादों को तैयार करने के लिए मंदिर क्षेत्र के आसपास के जरूरतमंद निवासियों को तैयार कर उन्हें नए व्यवसाय से जोड़ा जा सकता है। कच्चा माल उन्हें पास के मंदिर से मुफ्त या बहुत ही सस्ता मिलेगा। उसके प्रोसेस और पैंकिग आदि पर ही खर्च आएगा। अभी तक मंदिर में चढ़ाए जाने वाले पुष्प पर ही कार्य हो रहा है। पुष्पों के अलावा मंदिर में चढ़ाए जाने वाले नारियल आदि पर भी कार्य हो । उनका भी सदुपयोग हो।

अशोक मधुप (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस,लैब असिस्टेंट से जेनेटिक साइंटिस्ट तक का सफर

लेखक- संजय गोस्वामी

केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस एक अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जिन्होंने हेरेडिटी और सेक्स क्रोमोसोम की नींव रखने में मदद की। केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस एक जाने-माने अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जो कोलंबिया यूनिवर्सिटी में थॉमस हंट मॉर्गन के फ्लाई रूम पर अपने काम के लिए जाने जाते थे। उनका जन्म 11 जनवरी, 1889 को शूयलर फॉल्स, न्यूयॉर्क में हुआ था। वे हेरेडिटी की क्रोमोसोम थ्योरी को डेवलप करने में एक अहम व्यक्ति थे। वे एक अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जिन्होंने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके हेरेडिटी में क्रोमोसोम की भूमिका तय की। उन्होंने 1910 में थॉमस हंट मॉर्गन के लैब असिस्टेंट के तौर पर यह ट्रैक करना शुरू किया कि इसके क्रोमोसोम में म्यूटेशन ने हेरेडिटी को कैसे बदला। ब्रिजेस ने सेक्स क्रोमोसोम को अलग करने में होने वाली नैचुरल गलतियों का इस्तेमाल करके यह दिखाया कि क्रोमोसोम की गलत संख्या से अजीब फ्रूट फ्लाई पैदा होती हैं। ऐसी गलतियों को नॉनडिसजंक्शन कहा जाता है क्योंकि क्रोमोसोम ठीक से जुड़े नहीं होते हैं, जिससे गैमीट में सेक्स क्रोमोसोम की एक एक्स्ट्रा कॉपी होती है या बिल्कुल नहीं होती। उन्होंने मक्खी म्यूटेंट के नाम रखने के लिए एक नोमेनक्लेचर सिस्टम बनाया। उन्होंने ड्रोसोफिला जीन को लार के क्रोमोसोम में बैंडिंग पैटर्न से जोड़ा। "कोलंबिया यूनिवर्सिटी (1909) में एडमिशन लेने के एक साल बाद, ब्रिजेस ने वहां जेनेटिसिस्ट थॉमस हंट मॉर्गन के लिए लैब असिस्टेंट की नौकरी कर ली। उन्होंने और मॉर्गन ने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके एक एक्सपेरिमेंटल डिजाइन बनाया, जिससे पता चला कि कीड़े में जेनेटिक बदलाव उसके क्रोमोसोम में बदलाव में दिख सकते हैं। इन एक्सपेरिमेंट से "जेनेटिक मैप" बने और क्रोमोसोम इनहेरिटेंस की थ्योरी पक्की हुई। ब्रिजेस ने मॉर्गन और अल्फ्रेड हेनरी स्टर्टवेंट के साथ मिलकर 1925 में ये नतीजे पब्लिश किए। उसी साल, उन्होंने सेक्स इन रिलेशन टू क्रोमोसोम्स एंड जीन्स पब्लिश किया, जिससे पता चला कि ड्रोसोफिला में सेक्स न सिर्फ सेक्स क्रोमोसोम्स (एक्स और वाय) से तय होता है, बल्कि यह क्रोमोसोम बैलेंस का नतीजा है—जो फीमेल सेक्स नंबर क्रोमोसोम्स (एक्स) और नॉन सेक्स क्रोमोसोम्स (ऑटोसोम्स) की संख्या के बीच का बैलेंस है। 1928 में ब्रिजेज, मॉर्गन के साथ कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पासाडेना चले गए, जहां उन्होंने फल मक्खी के लार्वा की लार ग्रंथि कोशिकाओं में पाए जाने वाले विशाल गुणसूत्रों के विस्तृत जीन मानचित्र बनाए। बाद में उन्होंने जीन दोहराव के कारण ड्रोसोफिला म्यूटेंट के एक महत्वपूर्ण वर्ग की खोज की। उन्होंने यह भी स्थापित किया कि वाई गुणसूत्र ड्रोसोफिला में लिंग का निर्धारण नहीं करता है। ड्रोसोफिला शोधकर्ताओं के बीच ब्रिजेस का सबसे प्रसिद्ध योगदान लार्वा लार ग्रंथि कोशिकाओं में पाए जाने वाले पॉलीटीन गुणसूत्रों का अवलोकन और दस्तावेज़ीकरण है। इन गुणसूत्रों के बैंडिंग पैटर्न को आज भी समकालीन शोधकर्ताओं द्वारा आनुवंशिक स्थलों के रूप में उपयोग किया जाता है।[उद्धरण आवश्यक] ब्रिजेस को ड्रोसोफिला के साथ उनके काम के लिए 1936 में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के लिए चुना गया था,गुणसूत्र विकार, शरीर की किसी भी प्रणाली में विकृतियों या खराबी की विशेषता वाला कोई भी सिंड्रोम, और असामान्य गुणसूत्र संख्या के कारण होता है।आम तौर पर, मनुष्यों में 46 गुणसूत्र होते हैं जो 23 जोड़े में व्यवस्थित होते हैं; जोड़े आकार और आकृति में भिन्न होते हैं और सम्मेलन द्वारा क्रमांकित होते हैं। बाईस जोड़े ऑटोसोम हैं, और एक जोड़ा, संख्या 23, सेक्स क्रोमोसोम है। इस पैटर्न से कोई भी भिन्नता असामान्यताओं का कारण बनती है या एक क्रोमोसोम का एक हाथ या एक हाथ का हिस्सा गायब (डिलीशन) हो सकता है। एक क्रोमोसोम का हिस्सा दूसरे में ट्रांसफर (ट्रांसलोकेशन) हो सकता है, जिसका उस व्यक्ति पर कोई असर नहीं होता जिसमें यह होता है, लेकिन आम तौर पर उसके बच्चों में डिलीशन या डुप्लीकेशन सिंड्रोम होता है। क्रोमोसोम नंबर में बदलाव स्पर्म या अंडे बनने के दौरान या एम्ब्रियो के शुरुआती डेवलपमेंट के दौरान होते हैं। बाद वाले मामले में, सेल्स का मिक्सचर हो सकता है, कुछ नॉर्मल (यूप्लोइड) और कुछ में एबनॉर्मल क्रोमोसोम कॉम्प्लिमेंट्स होते हैं, इस कंडीशन को मोज़ेकिज़्म कहते हैं। दोनों ही मामलों में, क्रोमोसोम से भेजे गए असामान्य जेनेटिक सिग्नल की वजह से डेवलपमेंटल एबनॉर्मलिटीज़ होती हैं। डाउन सिंड्रोम समेत कई क्रोमोसोमल असामान्यताओं को दिल की बीमारी या खराब बनावट से भी जोड़ा गया है। क्रोमोसोमल असामान्यताओं के दूसरे सबूतों में असामान्य सेक्सुअल विकास, व्यवहार में गड़बड़ी, मैलिग्नेंसी (जैसे, क्रोनिक मायलोसाइटिक ल्यूकेमिया में फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम), और अपने आप गर्भपात शामिल हैं।सेक्स क्रोमोसोम असामान्यताएं ज़्यादा आम हैं और ऑटोसोमल असामान्यताओं की तुलना में इनके असर कम गंभीर होते हैं।

एपस्टीन फाइल्स में फ्रांस के दिग्गज फुटबॉलर का नाम

● दस्तावेज में कई चौंकाने वाले खुलासे, पर आरोप साबित नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

फ्रांस और बायर्न म्यूनिख के दिग्गज फुटबॉलर फ्रैंक रिबेरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह मैदान की उपलब्धियां नहीं, बल्कि अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा सार्वजनिक किए गए तथाकथित एपस्टीन फाइल्स हैं। रिबेरी 2006 में फीफा विश्वकप के फाइनल में पहुंचने वाली फ्रांस टीम का हिस्सा रहे थे, लेकिन इटली के खिलाफ उनकी टीम हार गई थी। वहीं, वह एक बार फीफा क्लब वर्ल्ड कप और एक बार बायर्न म्यूनिख के साथ चैंपियंस लीग का खिताब जीत चुके हैं। स्पेनिश अखबार मार्का की रिपोर्ट के मुताबिक, रिटायर्ड स्टार का नाम उन दस्तावेजों में दिखाई देता है जो दिवंगत और दोषी करार दिए जा चुके कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी जांच का हिस्सा थे।

नाम है, आरोप तय नहीं

सबसे पहले सबसे अहम बात। इन फाइल्स में नाम आने का मतलब यह नहीं है कि रिबेरी पर कोई अपराध साबित हुआ है, उनके खिलाफ मामला दर्ज है या वह किसी जांच के दायरे में हैं। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यह सामग्री बड़े पैमाने पर इकट्ठी की गई गवाहियों, नोट्स और बयानों का संग्रह है, जिनमें से कई कभी अदालत तक पहुंचे ही नहीं। 2026 की शुरुआत में अमेरिका में एपस्टीन फाइल्स ट्रांसप के तहत हजारों दस्तावेज सार्वजनिक किए गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें हजारों वीडियो, लाखों तस्वीरें और जांच से जुड़े रिकॉर्ड शामिल हैं। इसी बड़े डेटा के बीच कुछ पन्नों पर रिबेरी का नाम सामने आता है।

दस्तावेज में क्या लिखा है?

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन हिस्सों में रिबेरी का जिक्र है, वे एक गवाह के दावे हैं। उदाहरण के तौर पर एक जगह लिखा है, 'फ्रैंक रिबेरी ने मुझे मारने की कोशिश की... पुलिसकर्मियों ने उन्हें घेर लिया और उनकी कार तक वापस ले गए।' एक अन्य हिस्से में दावा किया गया, 'मैं यह देखकर हैरान था कि देह व्यापार का नेटवर्क यहां पहुंच गया... मुझे लगा जैसे वे मुझे वापस ले जाना चाहते हैं।' आगे के पन्नों में भी कुछ और गंभीर आरोपों का जिक्र है, लेकिन फिर से साफ कर दें कि ये आरोप हैं, अदालत का फैसला नहीं।

सरकार या अदालत ने क्या कहा?

अमेरिकी न्याय विभाग ने कहीं भी इन दस्तावेजों को औपचारिक आरोप या सबूत नहीं बताया है। रिबेरी के खिलाफ किसी कार्रवाई की घोषणा भी नहीं हुई है। यानी कानूनी स्थिति फिलहाल वही है, न केस, न चार्ज।रिबेरी का नाम पहले भी 2010 में एक मामले में सामने आया था, जब उन पर और करीम बेंजेमा पर नाबालिग से जुड़े आरोप लगे थे। 2014 में अदालत ने दोनों को यह कहते हुए राहत दी थी कि इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि उन्हें उम्र की जानकारी थी।

अभिषेक की गेंदबाजी का सामना करना चाहते हैं हेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान एक दिलचस्प खुलासा किया है। सनराइजर्स हैदराबाद में उनके ओपनिंग पार्टनर रहे अभिषेक शर्मा को लेकर हेड ने कहा कि वह टूर्नामेंट में उनके खिलाफ बल्लेबाज़ी करना चाहते हैं और चाहते हैं कि अभिषेक उन्हें गेंदबाज़ी करें।

आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले एक रैपिड-फायर राउंड के दौरान ट्रैविस हेड से कई सवाल पूछे गए। जब उनसे पूछा गया कि वह किस गेंदबाज़ के खिलाफ मुकाबला करना चाहते हैं, तो उन्होंने बिना झिझक अभिषेक शर्मा का नाम लिया। अभिषेक भारतीय टीम में सूर्यकुमार यादव के पास मौजूद विकल्पों में से एक हैं, हालांकि वह नियमित रूप से गेंदबाज़ी नहीं करते।

भारतीय पूर्व कप्तान ने नासिर हुसैन को लताड़ा, सूर्यवंशी का दिया उदाहरण

पुरानी ताकतों को भारत का दम देखना पच नहीं रहा: गावस्कर

मुंबई, एजेंसी

टी20 विश्वकप से पहले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर शुरू हुआ हाईवोल्टेज ड्रामा आखिरकार समाप्त हो गया। पाकिस्तानी सरकार ने पीसीबी और पाकिस्तान टीम से भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले एक फरवरी को पाकिस्तानी सरकार ने बांग्लादेश के समर्थन में ड्रामा करते हुए भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कारण करने का एलान किया था। नौ दिन के ड्रामे के बाद और आईसीसी के चाबुक के बाद पाकिस्तान को घुटने टेकने पड़े।

जब पाकिस्तान का यह ड्रामा शुरू हुआ था, तो कुछ क्रिकेट पंडितों ने पाकिस्तान और बांग्लादेश को अपना समर्थन दिखाया था और भारत पर सवाल उठाए थे। इनमें इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन भी शामिल हैं। अब भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने उन्हें करार जवाब देते हुए लताड़ा है। गावस्कर का कहना है कि पुरानी ताकतों को भारत का दम देखना पच नहीं रहा। उन्होंने वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए नासिर हुसैन की जमकर खिंचाई की।

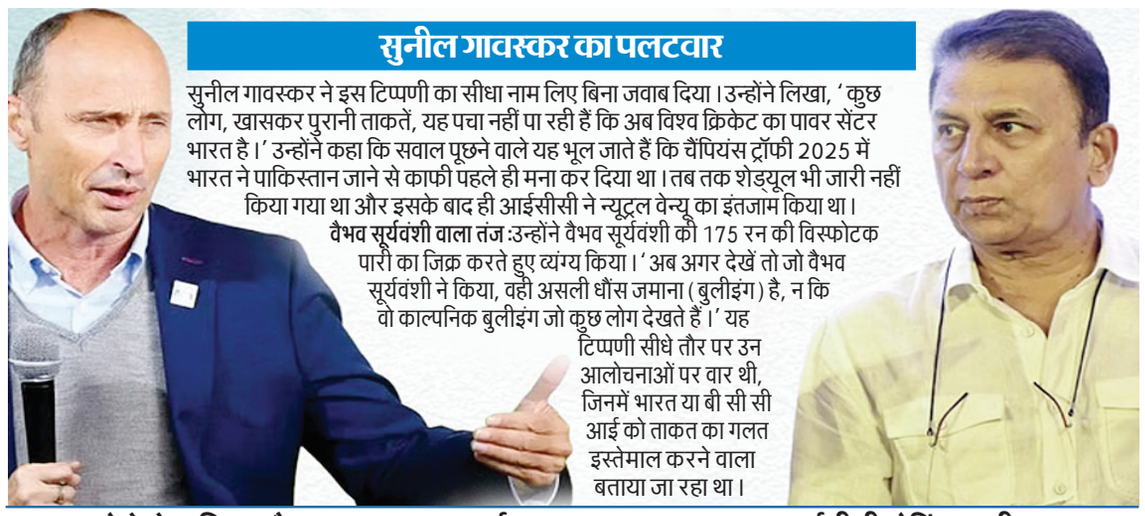

सुनील गावस्कर का पलटवार

सुनील गावस्कर ने इस टिप्पणी का सीधा नाम लिए बिना जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'कुछ लोग, खासकर पुरानी ताकतें, यह पचा नहीं पा रही हैं कि अब विश्व क्रिकेट का पावर सेंटर भारत है।' उन्होंने कहा कि सवाल पूछने वाले यह भूल जाते हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने पाकिस्तान जाने से काफी पहले ही मना कर दिया था। तब तक शेड्यूल भी जारी नहीं किया गया था और इसके बाद ही आईसीसी ने न्यूट्रल वेन्यू का इंतजाम किया था।

वैभव सूर्यवंशी वाला तंज : उन्होंने वैभव सूर्यवंशी की 175 रन की विस्फोटक पारी का जिक्र करते हुए व्यंग्य किया। 'अब अगर देखें तो जो वैभव सूर्यवंशी ने किया, वही असली धौंस जमाना (बुलीइंग) है, न कि वो काल्पनिक बुलीइंग जो कुछ लोग देखते हैं।' यह टिप्पणी सीधे तौर पर उन आलोचनाओं पर वार थी, जिनमें भारत या बी सी सी आई को ताकत का गलत इस्तेमाल करने वाला बताया जा रहा था।

क्या बोले थे नासिर हुसैन?

'अगर भारत किसी टूर्नामेंट से एक महीने पहले कह देता कि हमारी सरकार हमें किसी देश में खेलने नहीं देगी, तो क्या आईसीसी उतना ही सख्त रहता? हर कोई सिर्फ एक चीज चाहता है, समानता।' नासिर ने यह भी जोड़ा कि भारत के पास पैसा है, ताकत है, लेकिन ताकत के साथ जिम्मेदारी भी आती है।

2003 वर्ल्ड कप का उदाहरण

गावस्कर ने दोहरे मापदंड दिखाने के लिए 2003 विश्व कप की घटना याद दिलाई, जब इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे में खेलने से मना कर दिया था। उन्होंने कहा, 'तब कोई सुरक्षा खतरा नहीं था, फिर भी इंग्लैंड ने खेलने से इनकार कर दिया और अंक छोड़ दिए। क्या आईसीसी ने कुछ किया? नहीं।

आईसीसी वोटिंग पर भी उठाया मुद्दा

गावस्कर ने यह भी याद दिलाया कि बांग्लादेश के मामले में आईसीसी बोर्ड की वोटिंग में पाकिस्तान और बांग्लादेश को छोड़कर बाकी सभी ने उनके प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया था। इसके बावजूद निशाना सिर्फ भारत पर साधा गया।

गिल, बुमराह और जडेजा को ग्रेड ए में जगह मिली, बीसीसीआई की रिटेंशन लिस्ट जारी

रोहित-कोहली ग्रेड-बी पर खिसके

मुंबई (एजेंसी)। बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को ए प्लस ग्रेड से डिमोट करके बी ग्रेड में डाल दिया है। बोर्ड ने सोमवार को 2025-26 के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल प्लेयर्स की लिस्ट जारी की। ए प्लस ग्रेड को समाप्त कर दिया गया है।रोहित और कोहली के साथ बुमराह और जडेजा भी पिछले साल ए प्लस ग्रेड में शामिल थे। ताजा लिस्ट में इन दोनों को ग्रेड ए में शामिल रख गया है। वहीं, टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ग्रेड ए में बरकरार रखे गए हैं। ग्रेड बी में टी-20 के कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलावा 10 अन्य खिलाड़ियों को रखा गया है। ग्रेड सी में तिलक वर्मा और रिंकू सिंह समेत 17 खिलाड़ी हैं।बोर्ड ने रिटेन खिलाड़ियों को 3 ग्रेड में बांटा है। इनमें ए-बी और सी शामिल हैं। बोर्ड ने अभी तक नए ग्रेड मॉडल की सैलरी स्ट्रक्चर के बारे में कुछ नहीं कहा है। कुछ दिन पहले इसे बदलने की बात कही जा रही थी। पिछले साल ए प्लस ग्रेड में शामिल प्लेयर्स को 7 करोड़ रुपए सालाना मिलते थे। वहीं, ग्रेड ए में 5 करोड़, ग्रेड बी में 3 करोड़ और ग्रेड सी में 1 करोड़ रुपए दिए जाते थे।

रोहित-कोहली को ग्रेड-ए से बाहर क्यों किया?

रोहित और कोहली अब केवल वनडे खेल रहे हैं। इस वजह से दोनों को ग्रेड बी में डाला गया है। दोनों दिग्गजों ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया था। उसके बाद मई 2024 में टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था।

मेंस कैटेगरी में 30 खिलाड़ियों को शामिल किया

मेंस कैटेगरी में 30 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। ग्रेड ए में 3, ग्रेड बी में 11 और ग्रेड सी में 17 खिलाड़ी रखे गए हैं। जबकि, विमेंस कैटेगरी में 21 नाम शामिल हैं। ए प्लस ग्रेड को समाप्त कर दिया है। इसमें शामिल बुमराह-जडेजा ग्रेड ए में रखे गए हैं। जबकि, गिल ग्रेड में बरकरार हैं। वे पिछले साल भी इसी ग्रेड में थे। पिछले साल ग्रेड ए में शामिल केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत को ग्रेड बी में डिमोट किया गया है। इसमें सूर्यकुमार, कुलदीप, यशस्वी, सुंदर और अय्यर को जगह मिली है। ये सभी पिछले साल ग्रेड बी में रखे गए थे। ग्रुप सी में तिलक, रिंकू, शिवम, सैमसन, आकाश दीप, अर्शदीप, प्रसिद्ध कृष्णा, जुरेल, हर्षित राणा, चक्रवर्ती, नीतीश रेड्डी, अभिषेक शर्मा, रवि बिश्नोई और गायकवाड़ अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे हैं।

नीदरलैंड जीता

नईदिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 10वें मैच में नामीबिया पर 7 विकेट की जीत हासिल की। टीम ने ग्रुप ए के मैच में 157 रन का टारगेट 18 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया।दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी। पहले बैटिंग करते हुए नामीबिया ने 20 ओवर में 8 विकेट 156 रन बनाए।नीदरलैंड की ओर से बास डी लीडे ने 48 बॉल पर 72 रन की पारी खेली। जबकि कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स 18 रन पर नाबाद लौटे। कॉलिन एकरमैन ने 32 और माइकल लेविट ने 28 रन बनाए।नामीबिया की ओर से निकोल लोफ्टी-ईटन ने 42, जॉन फाइलिनक ने 30 और जेजे स्मिट ने 15 बॉल पर 22 रन बनाए। लोगान वैन बीक और बास डी लीडे ने 2-2 विकेट लिए।

व्यापार

ऑटो स्टॉक ने 1 साल में किया पैसा डबल

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर ऑटो स्टॉक फोर्स मोटर्स के शेयरों में आज सोमवार को बड़ी उछाल देखन को मिली। कंपनी के शेयर दिन में 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 52 वीक हाई पर पहुंच गएथे। इस उछाल के पीछे की वजह कंपनी की तरफ से किया जा रहा एक अधिग्रहण है। बता दें, वीरा टेनरीज़ के 100 प्रतिशत अधिग्रहण के लिए फोर्स मोटर्स ने आज एक स्क साइन किया है। बीएसई में फोर्स मोटर्स का शेयर आज 21650.05 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 22436 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। यह कंपनी का 52 वीक हाई है। फोर्स मोटर्स की तरफ से वीरा टेनरीज़ के अधिग्रहण के लिए 175 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस डील के पूरा होने के बाद फोर्स मोटर्स के पास वीरा टेनरीज़ का 100 प्रतिशत हिस्सा हो जाएगा। तीसरी तिमाही में वीरा टेनरीज़ का नेट प्रॉफिट सालाना आधार 252 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 406.10 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले इसी तिमाही में फोर्स मोटर्स का नेट प्रॉफिट 115.30 करोड़ रुपये रहा था। रेवन्यू की बात करें तो सालाना आधार पर इसमें 12.70 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अक्टूबर से दिसंबर 2025 के दौरान फोर्स मोटर्स का कुल रेवन्यू 2128.60 करोड़ रुपये रहा था। जोकि पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 1889.50 करोड़ रुपये रहा था। फोर्स मोटर्स के शेयरों में तेजी का सिलसिला जारी है। 6 महीने में यह ऑटो स्टॉक 25 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 239 प्रतिशत बढ़ा है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 7.97 प्रतिशत की तेजी है। बता दें, एक साल से शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक होल्ड करने पर पैसा दोगुना हो चुका है। तीन साल में फोर्स मोटर्स के शेयरों की कीमतों में 1448 प्रतिशत और 5 साल में 1461 प्रतिशत की तेजी आई है।

विलय होगी अडानी ग्रुप की यह कंपनी, एनसीएलटी की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सांघी इंडस्ट्रीज के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज मामूली गिरावट के साथ 64.35 रुपये पर आ गए थे। दरअसल, अडानी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स को बड़ी राहत मिली है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की अहमदाबाद बेंच ने अंबुजा सीमेंट्स और उसकी सब्सिडियरी सांघी इंडस्ट्रीज के मर्जर को मंजूरी दे दी है। 9 फरवरी 2026 को एक्सचेंज को दी गई जानकारी में कंपनी ने बताया कि ट्रिब्यूनल ने इस स्कीम को शेयरहोल्डर्स, क्रेडिटर्स और पब्लिक इंटरेस्ट—तीनों के लिहाज से सही ठहराया है। एनसीएलटी ने कहा कि यह मर्जर ऑपरेशनल एफिशिएंसी बढ़ाएगा, संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल होगा और किसी भी पक्ष के हितों को नुकसान नहीं पहुंचेगा। यह मर्जर 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी माना जाएगा। दरअसल, अंबुजा सीमेंट्स ने दिसंबर 2023 में सांघी इंडस्ट्रीज का अधिग्रहण किया था, जिसकी एंटरप्राइज वैल्यू करीब 5,185 करोड़ थी। इस डील को पूरी तरह कंपनी के इंटरनल एक्रूअल्स से फंड किया गया था और अंबुजा के पास सांघी में 54.51न हिस्सेदारी है। बड़ा कदम उठाते हुए अपनी दो सब्सिडियरी कंपनियों (सांघी इंडस्ट्रीज और पेन्ना सीमेंट इंडस्ट्रीज) को खुद में मर्ज करने का ऐलान किया। मर्जर स्कीम के तहत सांघी इंडस्ट्रीज के शेयरधारकों को हर 100 शेयर (10 फेस वैल्यू) के बदले अंबुजा सीमेंट्स के 12 इक्विटी शेयर (2 फेस वैल्यू) मिलेंगे।

यूपीआई से निकल सकेगी पीएफ की रकम

शीर्ष सूत्र ने बताया कि श्रम मंत्रालय एक ऐसी परियोजना पर काम कर रहा है

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के अंशधारक इस साल अप्रैल में पेश होने वाले एक नए मोबाइल एप्लिकेशन के जरिये यूपीआई पेमेंट गेटवे का उपयोग करके अपने पीएफ का पैसा सीधे बैंक खातों में पा सकेंगे। शीर्ष सूत्र ने बताया कि श्रम मंत्रालय एक ऐसी परियोजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत ईपीएफ का एक निश्चित हिस्सा सुरक्षित कर दिया जाएगा, जबकि एक बड़ा हिस्सा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये बैंक खाते के माध्यम से निकासी के लिए उपलब्ध होगा। सूत्रों ने बताया कि ईपीएफओ के पास बैंकिंग लाइसेंस नहीं है, इसलिए वह अपने सदस्यों को सीधे ईपीएफ खातों से पैसा निकालने की अनुमति नहीं दे सकता। हालांकि, सरकार चाहती है कि ईपीएफओ की सेवाएं बैंकों के समान स्तर की हों और सदस्यों को अधिक तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक सेवाएं मिल सकें। सूत्र ने आगे बताया कि ईपीएफओ एक नया मोबाइल ऐप पेश करेगा, जिसके जरिये सदस्य यूपीआई गेटवे का उपयोग करके पैसे निकालने के साथ ही पासबुक शेष राशि जैसी अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इस समय सदस्य अपने ईपीएफ खातों तक पहुंचने और सेवाओं का लाभ उठाने के लिए या तो यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) पोर्टल या उमंग ऐप का उपयोग करते हैं। ये सेवाएं दोनों मंच पर उपलब्ध रहेंगी, जबकि नया समर्पित ऐप ईपीएफओ ग्राहकों के लिए सेवाओं की पहुंच और वितरण में सुधार करेगा। सूत्र ने बताया कि अंशधारक मोबाइल ऐप के जरिये अपने बैंक खातों में हस्तांतरण के लिए उपलब्ध पात्र ईपीएफ शेष राशि देख सकेंगे। उन्हें लेनदेन पूरा करने के लिए अपने जोड़े गए यूपीआई पिन का उपयोग करने की अनुमति दी जाएगी, जिससे बैंक खातों में धन का सुरक्षित हस्तांतरण सुनिश्चित होगा।

एक अप्रैल से लागू होंगे नए नियम

जबकि कर फॉर्म की संख्या 399 से घटकर 190 हो जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एक अप्रैल से आयकर व्यवस्था में सबसे अहम बदलाव होने जा रहा है। इनकम टैक्स रिटर्न की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए फॉर्म-16 को भी पहले की तुलना में आधे पेजों को किया जा रहा है। इस बदलाव के तहत आयकर के नियम 511 से घटकर 333 रह जाएंगे। जबकि कर फॉर्म की संख्या 399 से घटकर 190 हो जाएगी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की तरफ कहा गया है कि आयकर नियम-2026 और फॉर्मों को मार्च के पहले सप्ताह तक अधिसूचित कर दिया जाएगा, लेकिन उससे पहले आम लोगों और विशेषज्ञों से सुझाव मांगे गए हैं।

एक अप्रैल से लागू होंगे- नए नियम, आयकर अधिनियम 2025 के अनुसार बनाए गए हैं, जो 1 अप्रैल से लागू होंगे। नई व्यवस्था के तहत आईटीआर फॉर्म पहले से भरा होगा। बस फॉर्म भरते वक्त करदाता को देखना होगा कि कहीं कोई संशोधन तो नहीं करना है। अगर करदाता को लगता है कि फॉर्म में दी जा रही जानकारी अधूरी है या फिर कोई बदलाव की जरूरत है तो उसमें संशोधन करके ऑनलाइन सब्मिट कर सकेगा। सूत्रों के अनुसार, नए ढांचे में नौकरी से मिलने वाले अतिरिक्त लाभ से जुड़े बदलाव पुराने और नए यानी दोनों कर व्यवस्थाओं में लागू होंगे। इससे सभी तरह के

करदाताओं को राहत मिलेगी। ड्राफ्ट नियम और फॉर्म 15 दिनों तक (22 फरवरी) सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहेंगे। इस दौरान आम लोग और विशेषज्ञ अपनी राय और सुझाव दे सकते हैं। प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी बनाने की कोशिश = विभाग का कहना है कि इससे नियम बनाने की प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। नए नियमों की भाषा को आसान बनाया गया है। समझ बढ़ाने के लिए कई जगह फॉर्मूले और टेबल जोड़े गए हैं और पुराने नियमों में मौजूद बेवजह की दोहराव वाली बातों को हटाया गया है। कर फॉर्म को भी सरल बनाया गया है, जिससे करदाताओं पर बोझ कम हो। सभी फॉर्म में एक जैसी जानकारी को मानक बनाया गया है, जिससे बार-बार जानकारी भरने की जरूरत न पड़े। नए स्मार्ट फॉर्म में ऑटोमैटिक मिलान और भरी हुई जानकारी की सुविधा होगी। इससे रीयल-टाइम डेटा मिलान और जांच में मदद मिलेगी। हालांकि, इसके कारण नियोक्ताओं, टैक्स सलाहकारों, रजिस्ट्रार और कंपनियों को अपने सिस्टम में जल्दी बदलाव करना होगा।

एचआरए की श्रेणी-1 में बेंगलुरु समेत तीन और शहर

मसौदा नियम में आवास किराया भत्ते का दावा करने के मकसद से बेंगलुरु, पुणे, अहमदाबाद और हैदराबाद को शामिल करने के लिए श्रेणी-1 महानगरों की सूची का विस्तार किया गया है। इस सूची में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई शामिल हैं। मसौदे में क्रिप्टो एक्सचेंज के लिए कर विभाग के साथ जानकारी साझा करना अनिवार्य करने का भी प्रस्ताव है। इसमें केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के स्वीकृत तरीके के तौर पर भी शामिल किया गया है। मसौदा नियमों में क्रिप्टो-संपत्ति सेवा प्रदाताओं के लिए विस्तृत रिपोर्टिंग और जांच-पड़ताल की जिम्मेदारियों का भी प्रस्ताव है।

करदाता संख्या बढ़ाना उद्देश्य

सीबीडीटी के वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि नए कानून और नियमों का मुख्य उद्देश्य कर भरने वाले लोगों की बढ़ाना और कर भरने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। फिलहाल देश में करीब 9 करोड़ लोग आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं, जबकि करीब 12 करोड़ लोग अलग-अलग तरीकों से कर देते हैं। इससे पता चलता है कि कई लोग अभी भी नियमित रूप से रिटर्न दाखिल नहीं कर रहे हैं। इसलिए हमारा लक्ष्य यह है कि धीरे-धीरे ज्यादा लोगों को रिटर्न फाइलिंग से जोड़ा जाए। नए व्यवस्था में फॉर्म को इसी लिए आसान बनाया गया है।

शून्य टीडीएस और सैलरी वाला टीडीएस फार्म अलग : टीडीएस से जुड़े कई फॉर्म्स की नंबरिंग भी बदली गई है। अब कम या शून्य टीडीएस के लिए आवेदन फॉर्म 128 में किया जाएगा, जबकि सैलरी से जुड़ा टीडीएस सर्टिफिकेट अब फॉर्म 130 कहलाएगा। इसके साथ ही, टीडीएस रिटर्न के पुराने फॉर्म 24क्यू, 26क्यू और 27क्यू को भी नया नंबर दिया गया है।

सालाना कर विवरण यानी 26एएस का नाम अब फार्म 168 := सालाना टैक्स स्टेटमेंट, जिसे आमतौर पर फॉर्म 26एएस कहा जाता है, अब फॉर्म 168 के नाम से जाना जाएगा। इसी तरह, वित्तीय लेनदेन की जानकारी देने वाला फॉर्म 61ए अब फॉर्म 165 हो जाएगा। इसके साथ ही विदेश भेजे जाने वाले पैसों से जुड़े फॉर्म्स में भी बदलाव किया गया है।

ऑडिट और अंतरराष्ट्रीय टैक्स फॉर्म को जोड़ा गया: कई ज्यादा इस्तेमाल होने वाले ऑडिट और अंतरराष्ट्रीय टैक्स फॉर्म्स को एक साथ जोड़ा गया है या उनका नंबर बदल दिया गया है। अब टैक्स ऑडिट रिपोर्ट, जो पहले 3सीए, 3सीबी और 3सीडी फॉर्म में भरी जाती थी, वह अब एक ही फॉर्म 26 में दी जाएगी। ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़ी ऑडिट रिपोर्ट अब फॉर्म 3सीईबी की जगह फॉर्म 48 में दी जाएगी। वहीं, मिनिमम अल्टरनेट टैक्स (एमएटी) से जुड़ा सर्टिफिकेट अब फॉर्म 29बी की जगह फॉर्म 66 में जमा किया जाएगा। टैक्स रेजिडेंसी सर्टिफिकेट के लिए फॉर्म 10एफए की जगह फॉर्म 42 का इस्तेमाल करना होगा।

ड्राफ्ट के साथ नए फॉर्म टेम्पलेट भी जारी: इस ड्राफ्ट के साथ नए फॉर्म टेम्पलेट भी जारी किए गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अब तक इस्तेमाल हो रहे पुराने फॉर्म नंबर कई दशकों में बदलते-बदलते काफी जटिल हो गए थे। नई नंबरिंग से टैक्स फाइल करते समय होने वाली उलझन कम होगी। नई व्यवस्था से टैक्स से जुड़ी जानकारी को डिजिटल सिस्टम के साथ बेहतर तरीके से जोड़ा जा सकेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)